दैनिक
नवयत्न
केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018
खबरें सड़क से संसद तक
वर्ष: 17 | अंक 160 | सीकर, रविवार 09 अगस्त 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

सरकार संपर्क पोर्टल के जरिए सुशासन और त्वरित न्याय का दावा करती है

दावों की खुल रही पोल...

राजस्थान संपर्क पोर्टल बना फुटबॉल, दो महीने से विभागों के बीच चक्कर काट रही जनता की शिकायत को अंत में बिना मौके पर गए निस्तारित की

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। आमजन की समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए बनाया गया राजस्थान संपर्क पोर्टल अब महज एक कागजी औपचारिकता बनकर रह गया है। धरातल पर काम करने की बजाय अधिकारी शिकायतों को एक विभाग से दूसरे विभाग में ट्रांसफर कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं। जानकारी सूत्रों के अनुसार सीकर की दांतारामगढ़ तहसील के नगरपालिका क्षेत्र दांता में प्रशासनिक तंत्र की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां एक आम रास्ते के खसरा नंबर 2006 से अतिक्रमण हटाने और न्यायालय के आदेश की पालना कराने के बजाय तीन प्रमुख सरकारी विभाग पिछले दो महीने से संपर्क पोर्टल पर फुटबॉल खेल रहे हैं।

पीड़ित द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर जिला कलेक्टर सीकर द्वारा संपर्क पोर्टल पर परिवाद संख्या 062607827253612 दर्ज की गई तथा 052605226790055 को रिओपन करते हुए स्थानीय प्रशासन को इस प्रकरण को निस्तारित करते हुए मय साक्ष्य विडियो, फोटो तथा तथ्यात्मक रिपोर्ट सहित अपलोड करने का निर्देश दिया गया था जबकि शिकायत को नगरपालिका, तहसील कार्यालय और उपखंड कार्यालय एक-दूसरे को फॉरवर्ड कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए एक पटवारी की बिना तथ्यात्मक रिपोर्ट को ही सर्वोपरि मानते हुए निस्तारित कर दी जाती है वहीं संपर्क पोर्टल विभाग से वोइस काल और कॉल के द्वारा दो बार संतुष्टि के लिए पुछा जाता है जिसमें असंतुष्टि दर्ज कराने पर कहा जाता है कि आपके द्वारा दो बार असंतुष्टि दर्ज हो गई इसलिए आपकी शिकायत बंद कर दी गई है। इस मामले में सिविल न्यायाधीश दांतारामगढ़ द्वारा बाकायदा आदेश जारी कर आम रास्ते की पत्थरगढ़ी करवाई गई थी लेकिन कोर्ट के आदेशों को ठेंगा दिखाते हुए रसूखदारों ने प्रशासनिक मौजूदगी में की गई पत्थरगढ़ी को ही उखाड़ फेंका। कोर्ट के आदेश की अवमानना होने के बाद भी प्रशासनिक अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। वहीं नगरपालिका दांता यह कहकर पल्ला झाड़ रही है कि मामला राजस्व विभाग तहसील से

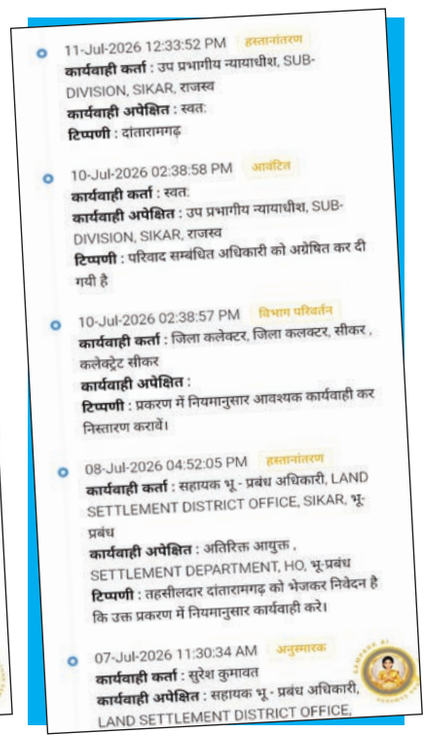

जुड़ा है।

जबकि तहसील कार्यालय इस मामले को नगरपालिका क्षेत्र का बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। और उपखंड कार्यालय उच्च स्तर से मॉनिटरिंग करने के बजाय केवल फाइलों को नीचे फॉरवर्ड करने में लगा है। दो महीने के भीतर यह परिवाद विभागों के चक्कर काटकर तीन बार घूम चुका है, लेकिन धरातल पर कार्रवाई शून्य है।

पटवारी की भूमिका पर उठे सवाल, रिपोर्ट में खेल का आरोप

इस पूरे मामले में स्थानीय पटवारी की कार्यशैली भी गंभीर संशय के घेरे में है। पीड़ित का आरोप है कि पटवारी द्वारा पोर्टल पर जो रिपोर्ट पेश की जा रही है, वह धरातल के वास्तविक तथ्यों से बिल्कुल भिन्न है। जिसकी शिकायत सीकर कलेक्टर व उपखंड अधिकारी दांतारामगढ़ को भी दी गई है जिस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। मौके पर अतिक्रमण और कोर्ट की पत्थरगढ़ी उखड़ी होने के स्पष्ट साक्ष्य होने के बावजूद, पटवारी कागजी खानापूर्ति कर उच्च अधिकारियों को गुमराह कर रहे हैं, जिससे साफ तौर पर लीपापोती की बू आ रही है।

सरकार के दावों की खुल रही पोल

यह स्थिति तब है जब सरकार संपर्क पोर्टल के जरिए सुशासन और त्वरित न्याय का दावा करती है। विभागों की इस सुस्ती और संवेदनहीनता के कारण न केवल जनता का पोर्टल से भरोसा उठ रहा है बल्कि भ्रष्टाचार और लापरवाही को भी बढ़ावा मिल रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब तक लापरवाह अधिकारियों पर पेनल्टी नहीं लगाई जाएगी, तब तक संपर्क पोर्टल पर शिकायतों का यह फॉरवर्ड गेम ऐसे ही चलता रहेगा।

आईआईटी दिल्ली के छात्रों से बोले पीएम मोदी

जिंदगी की परीक्षा में सबकुछ आउट ऑफ सिलेबस

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में वही व्यक्ति सफल होगा, जो लगातार सीखता रहेगा। उन्होंने कहा कि आने वाले 30-35 वर्षों में युवा जो कुछ करेंगे, वह विकसित भारत की यात्रा को प्रभावित करेगा। इसलिए युवाओं के हर निर्णय का आधार यह भी होना चाहिए कि उससे देश को क्या लाभ होगा और देश की कौन सी जरूरत पूरी होगी।

दीक्षांत का पल जीवन में हमेशा याद रहेगा

प्रधानमंत्री ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश के प्रतिभाशाली युवाओं के जीवन की नई यात्रा शुरू हो रही है। यह जीवन का एक यादगार पल है और आईआईटी दिल्ली परिसर में उनके साथ इस अनुभव को साझा करना उनके लिए भी खास है। उन्होंने कहा कि पिछली बार वह दीक्षांत समारोह में कोविड के दौर में वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे, लेकिन इस बार छात्रों के बीच उपस्थित होकर उन्हें अच्छा लग रहा है।

छात्रों की उपलब्धियों पर जताया गर्व

पीएम मोदी ने कहा कि जिस तरह छात्रों के परिवार के लोग उन पर गर्व महसूस कर रहे हैं, उसी तरह उन्हें भी सभी छात्रों पर गर्व है। उन्होंने कहा कि छात्र केवल डिग्री लेकर नहीं जा रहे, बल्कि देश के लिए बहुत कुछ करने के सपने के साथ यहां से निकल रहे हैं। उन्होंने मेडल हासिल करने वाले छात्रों को भी बधाई दी और कहा कि आईआईटी दिल्ली में ढ्ढ से जुड़े नए प्रयासों की शुरुआत भी हुई है।

कैंपस की यादों को साथ ले जाने की सलाह

प्रधानमंत्री ने छात्रों से कहा कि आईआईटी दिल्ली में बिताए दिनों की यादें भविष्य में उन्हें ऊर्जा देंगी। उन्होंने हॉस्टल, इंटर-हॉस्टल प्रतियोगिताओं, दोस्तों के साथ बिताए पलों और कैंपस की पुरानी नोक-झोंक का उल्लेख करते हुए कहा कि विदा होने से पहले इन यादों को एक बार फिर जरूर याद करें।

लाडनूं रोड पर लगा पीटीओ शाम को बंद मिला, कैसे हो जल निकासी

सुजानगढ़ (नवयत्न)।

शुक्रवार की शाम को हुई बारिश के बाद गांधी बालिका स्कूल से भराड़िया स्कूल की ओर जाने वाली सड़क नदी का रूप ले चुकी है। हालांकि पानी की निकासी जारी है और गेनाणी पंप हाउस पर दिन में दोनों मोटरें चलती रही। इससे एक दिन पहले ही मोटर चलाने के लिए डीजल नहीं होने की बात सामने आई थी। गांधी चौक से पुलिया तक का रास्ता और नया बास जाने वाली सभी गलियों पर एक तरीके से पानी का ताला सा लग गया है। दूसरी ओर लाडनूं रोड पर जलभराव से हालात खराब रहे। लोगों ने बताया कि पानी निकासी के लिए एक पीटीओ लगाया गया है। दूसरी ओर शाम को मौके पर जाकर देखने पर पता चला कि पीटीओ तो बंद पड़ा है। जिसके चलते जल निकासी का कार्य रूका हुआ नजर आया और लोग इस सड़क पर जलभराव से परेशान नजर आये। पानी से होकर सैंकड़ों वाहनों का दिनभर आवागमन रहा।

वहीं जनहित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष एडवोकेट रामकुमार मेघवाल ने बताया कि जब सड़कों पर पानी भर जाता है, डीजल याद आता है, जब सड़कें लबालब हो जाती हैं, तब पीटीओ याद आते हैं। जब जलभराव के पोईंट पहले ही फिक्स हैं, तो समय से पहले व्यवस्थाएं क्यों नहीं की जाती हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल निकासी के कार्य को गंभीरता के साथ सम्पन्न करवाया जावे।

120 फीट गहरे कुएं में गिरे व्यक्ति को सिविल डिफेंस ने सुरक्षित निकाला

निसं

जयपुर (नवयत्न)। कानोता थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर करीब 120 फीट गहरे कुएं में गिरे व्यक्ति को सिविल डिफेंस की टीम ने सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद व्यक्ति को जीवित बाहर निकालने में सफलता हासिल की। उप नियंत्रक अमित शर्मा के अनुसार दोपहर 3:35 बजे कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम से सिविल डिफेंस को सूचना मिली कि रघुनाथपुरा/खातिया की ढाणी क्षेत्र में एक व्यक्ति गहरे कुएं में गिर गया है। सूचना में व्यक्ति के जीवित होने की जानकारी मिलने पर तत्काल रेस्क्यू की आवश्यकता बताई गई। सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

मौके पर पहुंचने के बाद टीम ने सुरक्षा इंतजामों के साथ कुएं में उतरकर रेस्क्यू अभियान शुरू किया। टीम ने करीब आधे घंटे तक कड़ी मशक्कत की और कुएं में फंसे व्यक्ति तक पहुंच बनाई। इसके बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेस्क्यू के बाद व्यक्ति को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। सिविल डिफेंस अधिकारियों के अनुसार टीम की तत्परता, साहस और त्वरित कार्रवाई के चलते समय रहते व्यक्ति की जान बचाई जा सकी।

नाहरगढ़ घूमने जा रहे चार दोस्तों की कार सड़क से उतरी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में नाहरगढ़ घूमने जा रहे चार दोस्तों की कार अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि गड्ढे की गहराई कम होने के कारण बड़ा हादसा टल गया और कार सवार चारों दोस्त सुरक्षित बच गए। सूचना मिलने पर ब्रह्मपुरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्रेन की मदद से सड़क से नीचे उतरी क्षतिग्रस्त कार को बाहर निकलवाया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस के अनुसार नाहरगढ़ की ओर जाने वाले पहाड़ी मार्ग पर कई जगह घुमावदार रास्ते हैं। बारिश के दौरान इन रास्तों पर फिसलन बढ़ने के साथ भूस्खलन जैसी स्थिति भी बन सकती है। ऐसे में वाहन चालकों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। पुलिस ने नाहरगढ़ घूमने आने वाले पर्यटकों से अपील की है कि पहाड़ी रास्तों पर वाहन धीमी गति से और सावधानीपूर्वक चलाएं। खासकर बारिश के दौरान मोड़ पर गति नियंत्रित रखें और सड़क की स्थिति को देखते हुए ही वाहन चलाएं।

कैंपर की टक्कर से बाइक सवार दो दोस्तों की मौत, भागने के दौरान कैंपर का टायर फटा, आग लगी

बड़ागांव में हुआ हादसा, दोनों दोस्त बाइक से होटल में खाना खाने के बाद घर लौट रहे थे

निसं

गुढ़ागौड़जी (नवयत्न)। थाना इलाके के बड़ागांव में शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में दो दोस्तों की जान चली गई। हांसलसर निवासी दोनों बाइक से होटल में खाना खाने के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए कैंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दूसरे युवक को सीकर ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान हांसलसर निवासी प्रदीप राव (30) पुत्र इंद्राज राव और सुभाष (32) पुत्र महिपाल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों युवक आपस में दोस्त थे और साथ ही रहते थे। रात दोनों होटल में खाना खाने के बाद बाइक से वापस गांव की ओर जा रहे थे। हादसे के बाद कैंपर चालक ने मौके से भागने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक वाहन कुछ दूरी तक आगे गया, लेकिन इसी दौरान उसका टायर फट गया। टायर फटने के बाद कैंपर में आग लग गई। मौके पर मौजूद लोगों ने कैंपर में सवार दो लोगों को पकड़ लिया। वहीं, दो अन्य

वहां से भाग गए। पुलिस पकड़े गए लोगों से घटना को लेकर पूछताछ कर रही है।

हादसे की खबर फैलते ही मौके पर जुटी भीड़-दो युवकों की मौत की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। लोगों में घटना को लेकर नाराजगी थी और कुछ देर तक मौके पर नारेबाजी भी हुई। पुलिस ने ग्रामीणों से बातचीत कर मामला शांत कराया।

गुढ़ागौड़जी थाना पुलिस ने मौके की स्थिति संभालने के साथ ही हादसे की जांच शुरू कर दी है।

परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

प्रदीप अविवाहित था। उसके माता-पिता का करीब पांच साल पहले निधन हो चुका था। परिवार में एक बड़ा भाई और छोटी बहन है। बड़ा भाई टैक्सी चलाता है। बताया गया है कि प्रदीप फिलहाल कोई काम नहीं कर रहा था। दूसरा मृतक सुभाष खेती करता था। उसके बड़े भाई की करीब आठ वर्ष पहले करंट लगने से मौत हो गई थी। उसकी एक बड़ी बहन है, जिसकी शादी हो चुकी है।

नवयत्न कोबरी-सार

तपस्विनी निर्मला देवी की तपस्या का अभिनंदन, प्रतिभागियों को किया सम्मानित

नोखा (नवयत्न)। नोखा स्थित श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा में एक आध्यात्मिक कार्यक्रम हुआ। इसमें वरिष्ठ उपासक सुरेश बाफणा ने कर्मवाद विषय पर विस्तारपूर्वक प्रवचन दिया। उन्होंने कर्म के सिद्धांत, कर्मों के बंधन और उनसे मुक्ति के उपायों पर सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान उपासक कांती भाई मेहता ने मधुर गीतों की प्रस्तुति दीए जिससे वातावरण आध्यात्मिक भावनाओं से भर गया। इस अवसर पर तपस्विनी निर्मला देवी सेठिया की तेरह की तपस्या का अभिनंदन किया गया। सभा भवन में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने उनके तप, त्याग और आत्मसाधना की सराहना करते हुए आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। महिला मंडल ने मंगलाचरण गीति का संगान किया। इसके बाद सभा मंत्री सुंदर लाल सेठिया ने अपने विचार व्यक्त किए। रिद्धि मरोठी ने मुक्तक के माध्यम से तपस्विनी का अभिनंदन किया, जबकि समता बैद ने गीति का पाठ किया। इंद्रचंद बैद ने तप की महिमा पर प्रकाश डाला। सभाध्यक्ष शुभकरण चोरड़िया ने उपासक द्वय का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन महिला मंडल अध्यक्ष प्रीति मरोठी ने किया।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित मेघासर दौरे को लेकर तैयारियां तेज, सभा स्थल का लिया जायजा

निसं

बीकानेर (नवयत्न)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 14 अगस्त को मेघासर गांव में प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में भाजपा बीकानेर देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया, कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने मेघासर पहुंचकर प्रस्तावित जनसभा स्थल एवं कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

भाजपा देहात जिलाध्यक्ष श्याम पंचारिया ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आगमन को लेकर मेघासर ग्राम सहित पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल है। ग्रामीणों एवं कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि पहली बार मुख्यमंत्री मेघासर में ग्राम संस्थापक मेघोजी महाराज की प्रतिमा अनावरण समारोह में शामिल होंगे, जो क्षेत्र के लिए गौरव और ऐतिहासिक अवसर है। कार्यक्रम को सफल एवं भव्य बनाने के लिए सभी तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं। कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने कहा कि मेघासर ग्राम में आयोजित होने वाली मुख्यमंत्री की जनसभा ऐतिहासिक होगी। क्षेत्रवासी मुख्यमंत्री का स्वागत करने और उनकी एक झलक पाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह दौरा क्षेत्र के विकास को नई गति देने वाला साबित होगा तथा आमजन में इसे लेकर विशेष उत्साह है।

जिला मीडिया संयोजक मनीष सोनी ने बताया कि निरीक्षण के दौरान जिला महामंत्री दिलीप सिंह राजपुरोहित, ओबीसी मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता महावीर सिंह चारण, आसकरण उपाध्याय, नथमल उपाध्याय, जय सिंह भाटी, जेठमल भेलू, पवन जोशी, मगेज सिंह भाटी, मोहन उपाध्याय, हरि उपाध्याय सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

महेन्द्र रेगर को मिली पीएचडी की उपाधि

निसं

नोखा (नवयत्न)। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर ने नोखा के महेन्द्र रेगर को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की है। उनकी इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि पर शिक्षा एवं अकादमिक जगत में हर्ष का वातावरण है तथा उन्हें शुभकामनाएं दी जा रही हैं। महेन्द्र रेगर का शोध विषय पाली जिले के बाली ब्लॉक के औषधीय पादपों के मानवजाति औषधीय, पारिस्थितिक तथा पादप रासायनिक पहलुओं पर अध्ययन रहा। इस शोध के माध्यम से उन्होंने बाली क्षेत्र में पाए जाने वाले औषधीय पौधों के पारंपरिक औषधीय उपयोग, उनकी पारिस्थितिक महत्ता तथा पादप रासायनिक गुणों का विस्तृत अध्ययन किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह शोध भविष्य में औषधीय वनस्पतियों के संरक्षण, वैज्ञानिक अनुसंधान तथा आयुर्वेद एवं पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के विकास में उपयोगी सिद्ध होगा। उन्होंने अपना शोध कार्य डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर के सहायक आचार्य डॉ रवि परिहार के निर्देशन में पूर्ण किया। शोध के दौरान डॉ परिहार के मार्गदर्शन में महेन्द्र रेगर ने क्षेत्रीय स्तर पर व्यापक सर्वेक्षण, वैज्ञानिक विश्लेषण एवं शोध पद्धतियों का सफलतापूर्वक उपयोग करते हुए अपना शोध पूर्ण किया। वर्तमान में महेन्द्र रेगर महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, दावा, पांचू में जीव विज्ञान व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं। इससे पूर्व वे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लुन्दाड़ा, बाली, पाली, में लगभग पाँच वर्षों तक जीव विज्ञान व्याख्याता के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी कार्यशैली, विद्यार्थियों के प्रति समर्पण तथा शोध के प्रति रुचि उन्हें एक कुशल शिक्षक एवं शोधकर्ता के रूप में पहचान दिलाती है। महेन्द्र रेगर की इस उपलब्धि पर उनके परिजनों, सहयोगी शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। शिक्षाविदों का कहना है कि उनका यह शोध न केवल अकादमिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि राजस्थान के औषधीय पादपों के संरक्षण एवं वैज्ञानिक उपयोग की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण योगदान साबित होगा। उनकी इस सफलता से शिक्षा जगत के साथ-साथ युवा शोधार्थियों को भी अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने की घायल महिला से मुलाकात

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। स्थानीय राजकीय जनाना अस्पताल में सीलिंग टूटकर मल्बा गिरने से घायल हुई महिला से मिलने के लिए महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनीता कपूरिया पहुंची। घायल किरण मेघवाल निवासी गुलेरिया से मिलने महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनीता कपूरिया उनके आवास पर पहुंची और उनकी कुशलक्षेम जानी। इस अवसर पर सुनीता कपूरिया ने कहा कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान पर इस प्रकार की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। भाजपा सरकार के विकास के दावों की पोल अब जर्जर अस्पतालों की गिरती छतें खोल रही हैं। जनता इलाज कराने अस्पताल जाती है लेकिन वहां भी उसकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है। यह हादसा सरकार की लापरवाही, बदहाल रखरखाव और प्रशासनिक विफलता का स्पष्ट उदाहरण है। उन्होंने प्रशासन से घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने, अस्पताल भवन की तत्काल मरम्मत कराने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष शर्मिला भाकर, कोमल पंवार, सुनीता रावतानी, निवर्तमान पार्षद मधु बागरेचा, उपाध्यक्ष प्रमीला राठी, जिला महासचिव प्रिया प्रजापत, सचिव सरोज चैधरी एवं अंजू कुमारी सहित महिला कांग्रेस की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रही।

श्रीश्याम स्पोर्ट्स शूटिंग एकेडमी के खिलाड़ियों ने जीते मेडल

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। निशानेबाजी कौशल का प्रदर्शन प्रतियोगिता में श्रीश्याम स्पोर्ट्स शूटिंग एकेडमी श्रीमाधोपुर, सीकर के 16 प्रतिभावान खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्पर्धाओं में मेडल जीतकर एकेडमी एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में एकेडमी के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट निशानेबाजी कौशल का प्रदर्शन किया। अंश शर्मा, पीयूष कुमावत, प्रिंस सैनी, गौरव शर्मा, शौर्य, लक्ष्य शेखावत, कार्तिक नायक, सोमेंद्र शेखावत सहित एकेडमी के कुल आठ खिलाड़ियों ने पदक प्राप्त किए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से एकेडमी के अन्य खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। एकेडमी के डायरेक्टर एवं कोच मनजीत गुर्जर ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि नियमित अभ्यास, अनुशासन और मेहनत से खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्रीश्याम स्पोर्ट्स शूटिंग एकेडमी लगातार युवाओं को निशानेबाजी खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए प्रयासरत है। खिलाड़ियों की इस सफलता को एकेडमी की मेहनत और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम माना जा रहा है।

फांसी के फंदे पर झुला युवक

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ तहसील के ग्राम घुमांदा के एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर की आत्महत्या। पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी अनुसार तहसील के ग्राम घुमांदा निवासी पन्नाराम पुत्र गोमाराम जाट ने रिपोर्ट दी कि मेरा छोटा भाई देवीलाल पुत्र गोमाराम जाट उम्र 29 वर्ष जो अकेला ही घर पर था, शुक्रवार रात्रि को किसी समय कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सुचना पर शव को कब्जे में लेकर शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द किया।

छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

ललित दाधीच

राजलदेसर (नवयत्न)। ललित दाधीच छात्रसंघ चुनाव बहाल करने सहित महाविद्यालय की विभिन्न मांगों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने राजकीय महाविद्यालय राजलदेसर में विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने उच्च शिक्षा मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के नाम राजकीय महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य बीरबल महर्षि को ज्ञापन सौंपकर छात्रसंघ चुनाव जल्द बहाल करने की मांग की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के साथ-साथ उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने का मंच प्रदान करते हैं। लंबे समय से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने से विद्यार्थियों में निराशा है। संगठन ने सरकार से प्रदेश के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव शीघ्र बहाल करने की मांग की।

महाविद्यालय की 8 सूत्री मांगें भी रखी

ज्ञापन में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने के साथ राजलदेसर महाविद्यालय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग भी की गई। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने महाविद्यालय में स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति, बीएससी एवं एमकॉम के स्नातक पाठ्यक्रम शुरू करने तथा स्नातकोत्तर स्तर पर एमए पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की मांग रखी। इसके अलावा महाविद्यालय में एनसीसी एवं एनएसएस शुरू करने, रिक्त पदों को भरकर स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति करने, पुस्तकालय की समुचित व्यवस्था करने, स्वामी विवेकानंद एवं मां सरस्वती की प्रतिमाएं स्थापित करने तथा खेल मैदान एवं खेल सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। कार्यकर्ताओं ने कहा कि महाविद्यालय में पर्याप्त शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलेगा। उन्होंने सरकार एवं शिक्षा विभाग से सभी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान एबीवीपी सुजानगढ़ जिला संयोजक जयसिंह राठौड़, राजलदेसर नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राजवी, महाविद्यालय इकाई अध्यक्ष संदीप सैनी सहित कुलदीप सेन, राधिका सोनी, रामरतन सिहाग, गजानंद जाट, रामचंद्र सैनी, कुलदीप सिंह, विवेक स्वामी, राहुल सिंह, बुद्ध नाथ सिद्ध, सुनील सैनीए कुलदीप भाटी, रोहित, नेहा सैनी, आकाश, राधिका, मनीष प्रजापत, मोनिका, सलोनी राणा, कुमकुम, रौनक प्रजापत, कमला, रचना सहित बड़ी संख्या में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रामायण का सामूहिक पाठ किया

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में रामचंद्र पार्क प्रात: कालीन कीर्तन मंडली के तत्वावधान में रामचरित मानस का मासिक सामूहिक पाठ किया जा रहा है। संयोजक कृष्ण कुमार सराफ ने बताया कि पार्क के रामेश्वर शिवालय में श्रावण मास में सुबह एक घंटे तक चलने वाले इस पाठ में श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर वैद्य बालकृष्ण गोस्वामी ने कहा कि भगवान् शिव को रामकथा अत्यंत प्रिय है। शिवजी पार्वती से कहते हैं। कि रामकथा सभी संदेहों और अनिश्चय की स्थिति को दूर करने में सक्षम है। इस कथा में गिरधारीलाल बाजोरिया, मोतीलाल तातेड़, परमेश्वर लाल वर्मा, मांगीलाल स्वामी, ताराचंद सांखला, राजकुमार बैद, सुरेश सराफ, श्यामसुंदर पारीक, महेश सराफ, तुलसीराम स्वामी, ओमप्रकाश सांखला, मोहनलाल सुथार, रामावतार पुरोहित, संजू स्वामी, रमेश कुमार सिंधी, गोपाल मुरारका, कमल पुजारी आदि नियमित भाग ले रहे हैं।

पुलिस जवानों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार के हरियालो राजस्थान अभियान के तहत आसोटा बाइपास हाईवे पर डिप्टी ऑफिस के लिए आवंटित भूमि पर पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। लाडनूं सीओ जितेन्द्र चारण, लाडनूं एसएचओ शिम्भु दयाल मीणा, जसवंतगढ़ थानाधिकारी राजेश कुमार सहित पुलिस जवानों ने भाग लिया। इस दौरान परिसर में विभिन्न प्रकार के करीब 200 पौधे लगाए गए। पुलिस अधिकारियों ने पौधरोपण के साथ उनकी देखभाल करने संरक्षण का संकल्प भी लिया। सीओ जितेंद्र सिंह चारण ने बताया कि पौधों की सुरक्षा के लिए आवंटित भूमि के चारों ओर तारबंदी कर सेफ्टी डोर भी लगाया गया हैं। ताकि पौधों को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने बताया कि पेड़-पौधे केवल पर्यावरण की सुंदरता ही नहीं बढ़ाते, बल्कि मानव जीवन का प्रमुख आधार हैं।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की है। एसएचओ शिंभू दयाल ने आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस जवानों के साथ समाजसेवी उम्मेदसिंह चारण, प्रवीण बरड़िया, पर्यावरण प्रेमी सत्यनारायण प्रजापत, ओमप्रकाश सोनी आदि की विशेष सहभागिता रही।

संत गुरु रविदास कलश वंदन यात्रा का किया स्वागत

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती पर समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत कलश वंदन यात्रा शनिवार को केसीसी टाउनशीप स्थित विधायक जन संवाद केंद्र पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने संत विश्वानंद महाराज एवं भाजपा एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र भाटिया के सानिध्य में भव्य स्वागत किया। विश्वानंद महाराज ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास ने अपने जीवन और उपदेशों से समाज को जात-पात, ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता, समानता और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास के विचार आज भी समाज को एकजुट रखने और सामाजिक समरसता स्थापित करने की प्रेरणा देते हैं। समाजसेवी बबलू अवाना ने कहा कि यह कलश वंदन यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि संत गुरु रविदास के महान विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास महाराज ने समानता, भाईचारे और मानवता की जो नींव रखी, वही आज भी समाज को जोड़ने का सबसे मजबूत आधार है। सुरेन्द्र भाटिया ने बताया कि संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में कलश वंदन यात्रा जयपुर से रवाना होकर खेतड़ी नगर पहुंची है। कलश वंदन यात्रा के विधायक जन संवाद केंद्र से स्वागत करने के पश्चात भाजपा एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र भाटिया, जिला महामंत्री निखिल शर्मा, संत विश्वानंद महाराज ने झंडी दिखाकर खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के लिए रवाना किया। यात्रा का जगह-जगह पर श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों ने स्वागत किया। इस मौके पर समाजसेवी बबलू अवाना, रोहिताश मणकस, सतवीर, निखिल शर्मा, प्रमोद स्वामी, बलवीर, प्रताप अधाणा, सुभाष चनेजा, जयप्रकाश महेरिया, जुगलकिशोर चंदेलिया, सांवमल जैदिया, घीसाराम पंवार, भंवरलाल पिंवाल, ईश्वरसिंह, जगदीश प्रसाद, गोपाल पंवार, देवीदत, राधाकृष्ण, अरविंद, मनोज जैदिया, सरवण सैन, ओमप्रकाश, धर्मपाल, राजेंद्र कुमार, विश्वनाथ पंवार आदि ने यात्रा का स्वागत किया।

कलश वंदन रथ यात्रा का जिले की विधानसभाओं में होगा स्वागत

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। संतश्री रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष पर समरसता संकल्प अभियान व कलश वंदन रथ यात्रा का जिले में स्वागत किया जा रहा है। रथ शनिवार को नीमकाथाना विधानसभा के विभिन्न गांवों में पहुंचा जहां पर ग्रामवासियों की ओर से रथ का स्वागत किया गया। जिला महामंत्री राजेश रोलन ने बताया कि कलश वंदन रथ यात्रा 9 अगस्त को खंडेला, 10 को दांतारामगढ़, 11 को धोद, 12 को लक्ष्मणगढ़ व 13 अगस्त को सीकर विधानसभा में पहुंचेगा। रथ के पहुंचने पर आमजन व भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया जाएगा। इस दौरान संत रविदासजी महाराज के जीवन के बारे में आमजन को अवगत कराया जाएगा।

पौधरोपण एवं पौध वितरण कार्यक्रम आयोजित

सपना शर्मा

सीकर (नवयत्न)। श्रीकृष्ण सत्संग बालिका महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में पौधरोपण एवं पौध वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर प्रबंध समिति के सदस्यों ने छात्राओं को पौधे वितरित किए तथा उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल के लिए प्रेरित किया। प्रबंध समिति के सचिव डीपी अग्रवाल ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। पर्यावरण को स्वच्छ एवं संतुलित बनाए रखने के लिए पौधरोपण के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल करना भी आवश्यक है। प्रबंध समिति सदस्य पंकज बियानी ने कहा कि पौधरोपण केवल एक कार्यक्रम तक सीमित न रहकर जन-जन का अभियान बनना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी अभिलाषा जोशी ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय असंतुलन को देखते हुए पौधरोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर प्रबंध समिति सदस्य श्रीगोपाल सोमानी, पवन मोदी, भवानी शंकर अग्रवाल, गिरीश सोमानी, डॉ राजू शर्मा सहित शिक्षकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाएं उपस्थित रही। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण में भाग लिया और पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन महाविद्यालय परिसर को हरा-भरा एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

भूट्टा बने कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग जिला उपाध्यक्ष

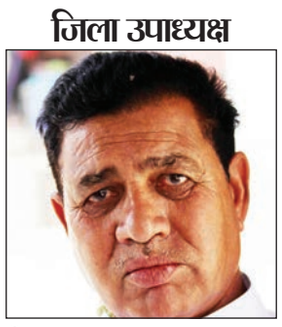

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। अल्पसंख्यक विभाग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एम डी चोपदार ने सुजानगढ़ के फारूक भूट्टा को संगठन का चूरू जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। फारूक भूट्टा ने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष एमडी चोपदार, कांग्रेस जिलाध्यक्ष और विधायक मनोज मेघवाल, अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष असलम भाटी का आभार जताते हुए विश्वास दिलाया है कि वे लगातार संगठन की बेहतरी और मजबूती के लिए काम करेंगे। वहीं फारूक भूट्टा की नियुक्ति पर मुकुल मिश्रा, युनूस खां हाशमखानी, इकबाल खां, जाकिर हुसैन खोखर, सरीफ राईन, बूढ़िया सैयद, इदरीश खत्री, सलीम भूट्टा, शकूर राईन, शाहिद खान, नूर मोहम्मद खान, अनवर राईन, जावेद भूट्टा, बिलाल भूट्टा, रमजान खोखर, रसीद भूट्टा, फारूक राईन, फकीरा सैयद, आरिफ खत्री, रफीक खोखर बडाबर आदि ने खुशी जाहिर करते हुए फारूक भूट्टा को बधाई दी है।

प्रो. प्रेरणा पुरी को मिला प्रतिष्ठित प्रो. मंजू ठाकुर लीडरशिप अवॉर्ड

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. प्रेरणा पुरी को भारत में स्कूल मनोविज्ञान सेवाओं के क्षेत्र में उनके सराहनीय एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित प्रो. मंजू ठाकुर लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उनके व्यक्तिगत समर्पण और उल्लेखनीय कार्यों की पहचान होने के साथ-साथ देश में मानसिक स्वास्थ्य, विशेष शिक्षा एवं बाल मनोविज्ञान के क्षेत्र को सुदृढ़ आधार प्रदान करने की उनकी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

प्रो. पुरी को यह सम्मान चेन्नई स्थित प्रतिष्ठित एन.के.टी. नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन फॉर वीमेन में आयोजित 16वें आईएनएसपीए इंडियन स्कूल साइकोलॉजी एसोसिएशन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया।

तीन दिवसीय यह सम्मेलन 5 से 7 अगस्त 2026 तक आयोजित हुआ। सम्मेलन का मुख्य विषय न्यूरोडाइवर्सिटी को सशक्त बनाना: विविधताओं का उत्सव, क्षमताओं को उजागर करना और समावेशन का निर्माण रहा। सम्मेलन में भारत सहित विभिन्न देशों-फिलिस्तीन, जापान, ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया से आए लगभग 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोजन में स्कूल मनोविज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, समावेशी शिक्षा और न्यूरोडाइवर्सिटी से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने विचार-विमर्श किया। सम्मेलन के दौरान आईएनएसपीए के अध्यक्ष प्रो. पंचरामालिंगम ने आयोजन के उद्देश्यों और इसके वैश्विक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे सम्मेलनों का उद्देश्य भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर स्कूल मनोवैज्ञानिकों और परामर्शदाताओं का एक जीवंत वैश्विक समुदाय तैयार करना है, जो आपसी साझा सीख और सहयोग को बढ़ावा दे सके। प्रो. प्रेरणा पुरी को मिला यह सम्मान स्कूल मनोविज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान की राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान माना जा रहा है। यह उपलब्धि राजस्थान विश्वविद्यालय के साथ-साथ प्रदेश के मनोविज्ञान एवं शिक्षा जगत के लिए भी गौरव का विषय है।

जागरूक झुंझुनूं अभियान के तहत दो सत्रों में हुआ स्पर्श.. सुरक्षित बचपन जागरूकता कार्यक्रम

युवा भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं - आईएएस नवीन जैन

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। सुरक्षित बचपन, सजग किशोर, सशक्त युवा और स्वर्णिम भारत। इन्हीं भावों को साकार करते हुए मोदी वर्ल्ड स्कूल विन्डम सिटी में शनिवार को जागरूक झुंझुनूं अभियान के अंतर्गत एक भव्य एवं प्रेरणादायी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम दो विशेष सत्रों में सम्पन्न हुआ। जिसके प्रथम सत्र में विद्यार्थियों को बाल सुरक्षा, गुड टच-बैड टच, व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, पीढ़ियों के अंतर, सकारात्मक सोच, सूचना एवं ज्ञान के अंतर, कृतज्ञता, जीवन में सफलता तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में प्रख्यात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ जैन, जिले के प्रभारी सचिव सीनियर आईएएस अधिकारी नवीन जैन, कलेक्टर डॉ. अरूण गर्ग, डीईओ राजेन्द्र सिंह खीचड़ व डाइट के प्रभागाध्यक्ष प्रमेन्द्र कुल्हार सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों के पारंपरिक एवं आत्मीय स्वागत से हुआ। पधारे हुए विशिष्ट अतिथियों का तिलक, पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी, एमडी नीरजा मोदी, झुंझुनूं एकेडमी स्कूल डायरेक्टर आशुतोष मोदी, जॉली एंजल्स की डायरेक्टर रानू मोदी, मोदी वर्ल्ड स्कूल के निदेशक आकाश मोदी, क्रिएटिव डायरेक्टर गरिमा मोदी, हॉस्टल डायरेक्टर कुरड़ाराम धीवा, प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा एवं उप प्राचार्या सरोज सिंह, हैडमिस्ट्रेस उमा शर्मा, प्रशासक कमलेश कुलहरि, प्रिंसिपल जोगेन्द्र झाझड़िया, प्राचार्या आशा दड़िया राव, प्राचार्या मीनाक्षी शर्मा, उप प्राचार्या विमला झाझड़िया, शूरवीर एमडी अजीत, सैनिक हैड डीसी मीणा, रामस्वरूप झाझड़िया, हॉस्टल अधीक्षक महेश डूडी सहित विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पहले सत्र में बताया गुड टच बैड टच के बारे में

प्रथम सत्र में प्रख्यात बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सौरभ जैन ने विद्यार्थियों से कार्यक्रम स्पर्श.. सुरक्षित बचपन में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए गुड टच एवं बैड टच के विषय में अत्यंत सरल, सहज एवं बाल-मित्रवत तरीके से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने शरीर की सुरक्षा, व्यक्तिगत सीमाओं तथा असहज परिस्थितियों को पहचानने के प्रति जागरूक किया। उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों को सार्वजनिक परिवहन, सार्वजनिक पार्क और सार्वजनिक शौचालय जैसी जगहों पर अकेले जाने से बचने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि अपनी सुरक्षा के प्रति आवाज उठाना डर या कमजोरी नहीं, बल्कि साहस और आत्म-जागरूकता का परिचायक है। उनका संवाद विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी रहा और उन्होंने बच्चों को स्वयं की सुरक्षा के प्रति सजग एवं आत्मविश्वासी बनने के लिए प्रेरित किया।

दूसरे सत्र में आईएएस नवीन जैन हुए रूबरू

द्वितीय सत्र कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। जिसमें आईएएस अधिकारी नवीन जैन ने किशोर विद्यार्थियों से बेहद आत्मीय और मित्रवत अंदाज में संवाद किया। उन्होंने अपने सत्र की शुरुआत एक बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न से की- क्या आप अपनी जिंदगी से खुश या संतुष्ट हैं? इस प्रश्न ने विद्यार्थियों को अपने जीवन, भावनाओं और भविष्य को लेकर आत्ममंथन करने के लिए प्रेरित किया। नवीन जैन ने किशोरावस्था की उस उलझन को बेहद सहजता से समझाया। जब कभी कोई उन्हें बच्चा कहता है और कभी उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अब बच्चे नहीं रहे। इसी संदर्भ में उन्होंने पीढ़ियों के अंतर को समझाया और बताया कि अलग-अलग पीढ़ियों की सोच, अनुभव और अपेक्षाओं में अंतर स्वाभाविक है।

उन्होंने संवाद, समझ और पारस्परिक सम्मान के माध्यम से इस अंतर को कम करने की प्रेरणा दी। विद्यार्थियों को सूचना और ज्ञान के बीच का अंतर समझाते हुए कहा कि आज के समय में जानकारी प्राप्त करना आसान है, लेकिन जानकारी को समझना, विभिन्न तथ्यों को आपस में जोड़ना और उनसे निष्कर्ष निकालना ही वास्तविक ज्ञान है। उन्होंने कोचिंग संस्कृति का उदाहरण देते हुए कहा कि कई बार विद्यार्थी प्रदर्शन के दबाव में सीखने की वास्तविक प्रक्रिया से दूर हो जाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से केवल परीक्षा और अंकों के लिए अध्ययन करने के बजाय विषयों को समझने, उनके बीच संबंध स्थापित करने और ज्ञान को जीवन में उपयोग करने का आग्रह किया। अपने प्रेरक संवाद में कृतज्ञता और कृतघ्नता के बीच का अंतर समझाते हुए विद्यार्थियों को अपने माता-पिता, शिक्षकों, मित्रों तथा जीवन में मिले अवसरों के प्रति आभार व्यक्त करने की प्रेरणा दी। वर्तमान डिजिटल युग की आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति भी सजग किया तथा इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय सावधानी, जिम्मेदारी एवं विवेक अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के भारत का नेतृत्व करेंगे और उनके ज्ञान, सोच, चरित्र एवं कर्मों से राष्ट्र का भविष्य निर्धारित होगा। वास्तव में आज युवा ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति है।

झुंझुनूं में कल होगा गांधी जीवन दर्शन शिविर

सुरेंद्र शर्मा

झुंझुनूं (नवयत्न)। महात्मा गांधी जीवन दर्शन संस्थान के तत्वावधान में सोमवार को एक दिवसीय गांधी जीवन दर्शन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय प्रतिनिधि राजेश अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश संयोजक श्यामसुंदर जोशी शिरकत करेंगे। वहीं संस्थान के संयोजक धर्मवीर कटेवा कार्यक्रम में विशेष रूप से मौजूद रहेंगे और संपूर्ण आयोजन की व्यवस्था संभालेंगे। संयोजक धर्मवीर कटेवा ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य वर्तमान संदर्भों में महात्मा गांधी के जीवन-दर्शन, विचारों और सिद्धांतों को आमजन तक पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान गांधी जी के रचनात्मक कार्यों, सामाजिक समरसता तथा आज के दौर में गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकता पर गहन चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम पीरूसिंह सर्किल स्थित खाना खजाना रेस्टोरेंट झुंझुनूं में आयोजित होगा।

अस्पताल में सोनोलॉजिस्ट है, लेकिन सोनोग्राफी मशीन नहीं

मरीजों को चूरू जाकर खर्च करने पड़ रहे एक हजार 500 रुपए

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। सेठ रामगोपाल जटिया राजकीय अस्पताल में सोनोग्राफी सुविधा को लेकर मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चिकित्सा विभाग ने अस्पताल में सोनोग्राफी जांच के लिए सोनोलॉजिस्ट की नियुक्ति तो कर दी, लेकिन अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध नहीं करवाई गई। ऐसे में जांच के लिए मरीजों को चूरू जाना पड़ रहा है। अस्पताल में सोनोग्राफी की सुविधा नहीं मिलने के कारण मरीजों को अतिरिक्त आर्थिक खर्च के साथ समय और शारीरिक परेशानी भी झेलनी पड़ रही है। निजी सेंटरों पर सोनोग्राफी कराने के लिए मरीजों को करीब 1000 से 1500 रुपए तक खर्च करने पड़ रहे हैं। स्थानीय लोगों और मरीजों ने चिकित्सा विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध कराई जाए। इससे मरीजों को जांच के लिए दूसरे शहर जाने की मजबूरी से राहत मिलेगी और सरकारी अस्पताल में ही आवश्यक जांच की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

ईडब्लूयूएस को लेकर स्वर्ण पंचायत स्थगित, झुंझुनूं से जयपुर कूच भी टला

सरकार के आश्वासन के बाद लिया फैसला, सरकार ने गठित की उच्चस्तरीय समीक्षा समिति।

सुरेंद्र शर्मा

झुंझुनूं (नवयत्न)। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) की मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच राज्य सरकार ने कदम उठाते हुए मांगों की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। सरकार के आश्वासन के बाद 9 अगस्त को जयपुर में प्रस्तावित स्वर्ण पंचायत को स्थगित कर दिया गया है। विप्र फाउंडेशन के जिला संयोजक उमाशंकर महमिया और जिलाध्यक्ष कमलकांत शर्मा ने बताया कि पंचायत राज एवं नगरीय निकाय चुनावों में ईडब्ल्यूएस वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने तथा ईडब्ल्यूएस आयोग के गठन सहित विभिन्न मांगों को लेकर 9 अगस्त को जयपुर-अजमेर मार्ग स्थित सूर्य सिटी मैदान में सुबह 11 बजे स्वर्ण पंचायत प्रस्तावित थी। जिला संयोजक उमाशंकर महमिया ने कहा कि सरकार ने समाज की मांगों को गंभीरता से सुना और प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाया। उच्चस्तरीय समिति का गठन समाज की एकजुटता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि समिति की समीक्षा के बाद सरकार से ईडब्ल्यूएस वर्ग के हित में सकारात्मक निर्णय की पूरी उम्मीद है।

सरकार से हुई सकारात्मक वार्ता

पदाधिकारियों के अनुसार स्वर्ण पंचायत के प्रतिनिधिमंडल को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी, मंत्री केके विश्नोई सहित भाजपा संगठन के पदाधिकारियों ने वार्ता के लिए आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बातचीत में ईडब्ल्यूएस की मांगों पर सकारात्मक चर्चा हुई। सरकार की ओर से मांगों पर शीघ्र विचार कर निर्णय से अवगत कराने का आश्वासन दिया गया।

झुंझुनूं से जयपुर कूच स्थगित

महमिया ने बताया कि सरकार द्वारा उच्चस्तरीय समीक्षा समिति गठित किए जाने के बाद अब 9 अगस्त को झुंझुनूं जिले से विप्र बंधु और समाजबंधु जयपुर कूच नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि ईडब्ल्यूएस वर्ग के अधिकारों को लेकर झुंझुनूं जिले में ब्राह्मण समाज ने संगठित आंदोलन की शुरुआत की थी। इस संबंध में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन भी सौंपा गया था।

दिव्यांग सेवा संस्थान की बैठक कल

हर्ष सोनी

झुंझुनूं (नवयत्न)। राजस्थान दिव्यांग सेवा संस्थान की ओर से दिव्यांग कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों को लेकर सोमवार 10 अगस्त को सुबह 10 बजे शहीद कर्णीराम रामदेव पार्क में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सिलाई का कार्य जानने वाले दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सिलाई मशीन उपलब्ध कराने के आवेदन फॉर्म भरवाए जाएंगे। इसके साथ ही दिव्यांगजनों के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। बैठक में आगामी पंचायती राज एवं स्थानीय निकाय चुनावों में दिव्यांग वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 5 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने पर भी चर्चा की जाएगी।

दीपांकर भट्टाचार्य कल झुंझुनूं में, किसान सभा के बाद करेंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड दीपांकर भट्टाचार्य रविवार को झुंझुनूं आएंगे। उनके मुख्य आतिथ्य में बाकरा रोड स्थित नवनिर्मित किसान मजदूर भवन में किसान सभा एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित होगी। पार्टी जिला सचिव रामचंद्र कुलहरि ने बताया कि सुबह 11 बजे किसान सभा का आयोजन प्रसिद्ध गणितज्ञ एवं भामाशाह डॉ. घासी राम वर्मा की अध्यक्षता में होगा। सभा में दीपांकर भट्टाचार्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में काराकाट सांसद एवं अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड राजाराम सिंह, भाकपा माले के पोलिट ब्यूरो सदस्य एवं राजस्थान प्रभारी कामरेड प्रभात कुमार चौधरी तथा सीपीआई (एम) के पोलिट ब्यूरो सदस्य एवं सीकर सांसद कामरेड अमराराम विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी, जिसे दीपांकर भट्टाचार्य संबोधित करेंगे।

प्रभारी सचिव नवीन जैन व कलेक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने स्कूली बच्चों को बांटे तिरंगे

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। शहर में हर घर तिरंगा अभियान के तहत लॉयंस क्लब झुंझुनूं एवं श्री श्याम आशीर्वाद सेवा संस्था की ओर से तिरंगा वितरण कार्यक्रम जारी है। इसी क्रम में शनिवार को मोदी वर्ल्ड स्कूल विन्डम सिटी झुंझुनूं में जिले के प्रभारी सचिव नवीन जैन, कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, डीईओ सैकंडरी राजेंद्र खीचड़ के आतिथ्य में तिरंगा सम्मान मार्च आयोजित कर तिरंगों का वितरण किया गया। मोदी वर्ल्ड स्कूल विन्डम सिटी के चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी और निदेशक आकाश मोदी के सानिध्य में अतिथियों ने नन्हें-मुन्ने स्कूली बच्चों को तिरंगे झंडे वितरित किए। बच्चों के हाथों में फहराते तिरंगे और गूंजते वंदे मातरम के नारों से पूरा परिसर देशभक्ति के वातावरण से सराबोर हो गया। लॉयंस क्लब अध्यक्ष डॉ. डीएन तुलस्यान ने बताया कि 15 अगस्त तक जिला मुख्यालय पर 1100 तिरंगों का वितरण किया जाएगा। शनिवार को मुंबई प्रवासी सुरेश भगेरिया के आर्थिक सहयोग से तिरंगों का वितरण किया गया। इस मौके पर मोदी वर्ल्ड स्कूल विन्डम सिटी के छात्रावासी अधीक्षक कुरड़ाराम धींवा, प्रिंसिपल डॉ. रविशंकर शर्मा, डाइट से प्रमेंद्र कुल्हार, लॉयंस क्लब सचिव लॉयन रघुनाथप्रसाद पोद्दार, कोषाध्यक्ष भागीरथप्रसाद जांगिड़, उपाध्यक्ष लॉयन शिवकुमार जांगिड़, लॉयन गोपालकृष्ण गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक लॉयन मनोज सिंह टीकेएन व सदस्य लॉयन उमर कुरैशी मौजूद थे।

20 अगस्त को सीकर में होगी बावलिया बाबा की मूर्ति स्थापना

निसं

बुगाला (नवयत्न)। परमहंस पंडित गणेशनारायण बावलिया बाबा की मूर्ति स्थापना को लेकर सीकर में दो दिवसीय धार्मिक महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। मूर्ति स्थापना 20 अगस्त को देव गैस एजेंसी के सामने बीहड़ वाले बालाजी मंदिर परिसर में होगी। आयोजन करणी गोशाला पालवास धाम के संत चंद्रमादास के सानिध्य में होगा। आयोजक नवलकिशोर व आनंद कच्छावा ने बताया कि महोत्सव की शुरुआत 19 अगस्त को कलश एवं निशान यात्रा से होगी। यात्रा में गाजे-बाजे के साथ शाही लवाजमा, ऊंट-घोड़े और डीजे शामिल होंगे। यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। 20 अगस्त को दोपहर सवा 12 बजे धार्मिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ बावलिया बाबा की मूर्ति की स्थापना की जाएगी। इसके बाद शाम को विशाल जागरण का आयोजन होगा। इसमें चंचलनाथ टीला, झुंझुनूं के भजन गायक ओमनाथ और विचारनाथ भजनों की प्रस्तुति देंगे। मुंबई के फिल्म कलाकार जुगल के. नायक मंच पर बाबा की लीला का जीवंत चित्रण करेंगे। वहीं शोभायात्रा के दौरान बाबा की जीवंत झांकी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। आयोजकों ने बाबा के भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है।

महाराजा अग्रसेन के जीवन पर बनेगी फिल्म, मुकेश खन्ना निभाएंगे मुख्य भूमिका

चूरू-झुंझुनूं सहित शेखावाटी में होगी शूटिंग, श्याम फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनेगी फिल्म

संजय सोनी

झुंझुनूं (नवयत्न)। अग्रवाल समाज के आराध्य महाराजा अग्रसेन के जीवन, उनके सिद्धांतों और लोककल्याण की भावना को बड़े पर्दे पर उतारने की तैयारी शुरू हो गई है। महाभारत सीरियल में भीष्म पितामह की भूमिका निभाने वाले अभिनेता मुकेश खन्ना अब महाराजा अग्रसेन के जीवन पर आधारित फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म की शूटिंग शेखावाटी के चूरू और झुंझुनूं सहित अन्य स्थानों पर भी प्रस्तावित है। फिल्म निर्माण की औपचारिक शुरुआत के मौके पर मुकेश खन्ना के कार्यालय में उन्हें साइनिंग अमाउंट देकर अनुबंध की प्रक्रिया पूरी की गई। इसके साथ ही फिल्म का शुभ मुहूर्त भी किया गया। फिल्म को लेकर अग्रवाल समाज में उत्साह का माहौल है।

श्याम फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले निर्माण

फिल्म का निर्माण श्याम फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले किया जाएगा। सन्नी अग्रवाल फिल्म के निर्देशक हैं। डॉ. श्याम अग्रवाल और पुरुषोत्तम केजरीवाल निर्माता तथा सुमन अग्रवाल सह-निर्माता हैं। फिल्म में महाराजा अग्रसेन के जीवन संघर्ष, उनके सिद्धांतों और समाज के प्रति योगदान को कहानी के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

सामाजिक समरसता और लोककल्याण का संदेश

निर्माताओं के अनुसार फिल्म का उद्देश्य महाराजा अग्रसेन के विचारों को नई पीढ़ी और आमजन तक पहुंचाना है। सामाजिक समानता, सहयोग, परोपकार और लोककल्याण जैसे संदेशों को फिल्म के माध्यम से प्रभावी ढंग से सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। अग्रवाल समाज के लोगों ने फिल्म निर्माण की पहल को समाज के लिए गौरव का विषय बताया। उनका कहना है कि महाराजा अग्रसेन के जीवन और आदर्शों को बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने से युवा पीढ़ी को उनके विचारों को समझने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा।

22 साल की उम्र में शहीद हुए छत्रपाल, 6 साल बाद भी स्कूल को नाम मिलने का इंतजार

जयंती से चार दिन पहले माता-पिता पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी के साथ कलेक्टर से मिले

अशोक राईका

झुंझुनूं (नवयत्न)। देश की रक्षा करते हुए महज 22 साल की उम्र में सर्वोच्च बलिदान देने वाले छावसरी गांव के शहीद छत्रपाल सिंह को उनकी ही धरती पर सम्मान दिलाने की मांग एक बार फिर उठी है।

शहादत के करीब छह साल बीतने के बावजूद अब तक स्कूल का नाम उनके नाम पर नहीं हो पाया है। शहीद की जयंती 12 अगस्त को है। जयंती से ठीक पहले उनके पिता सुरेश पाल सिंह और माता शशि कला देवी पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी से मिले। इसके बाद चौधरी शहीद के माता-पिता को साथ लेकर जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग के पास पहुंचे और स्कूल का नाम अमर शहीद छत्रपाल सिंह के नाम पर करने की मांग रखी। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने शहीद के माता-पिता और प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि स्कूल के नामकरण में आ रही समस्या को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने नियमानुसार नामकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का भरोसा दिया। शहीद के माता-पिता का कहना है कि उनका बेटा देश के लिए कुर्बान हुआ है। ऐसे में उसके नाम पर स्कूल का नामकरण होना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात होगी। छह साल से इस मांग के पूरा होने का इंतजार है। कलेक्टर से मुलाकात के बाद परिवार को उम्मीद जगी है कि अब प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

पूर्व विधायक बोले— जरूरत पड़ी तो सरकार तक जाएंगे

पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने कहा कि शहीद छत्रपाल सिंह केवल अपने माता-पिता के बेटे नहीं थे, बल्कि पूरे क्षेत्र और देश के बेटे थे। उन्होंने कहा कि स्कूल का नामकरण अब तक हो जाना चाहिए था। चौधरी ने बताया कि उन्होंने शहीद के माता-पिता के साथ कलेक्टर से मुलाकात कर नामकरण में आ रही समस्या की जानकारी ली है। जरूरत पड़ने पर सरकार और मुख्यमंत्री स्तर पर भी इस मामले को रखा जाएगा। उन्होंने जल्द नामकरण करवाने के लिए प्रयास जारी रखने का भरोसा दिलाया।

15 घंटे चली थी मुठभेड़, देश के लिए दे दी जान

छावसरी निवासी छत्रपाल सिंह भारतीय सेना में पैरा ट्रूपर के रूप में तैनात थे। 5 अप्रैल 2020 को जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश के दौरान सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। करीब 15 घंटे चली इस मुठभेड़ में छत्रपाल सिंह शहीद हो गए। छत्रपाल शहादत से पांच साल पहले सेना में भर्ती हुए थे। महज 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने देश सेवा के लिए सेना का रास्ता चुना था। शहादत से पहले वे 29 दिन की छुट्टी पूरी कर 9 मार्च 2020 को ही ड्यूटी पर लौटे थे। उनका विवाह भी नहीं हुआ था।

12 अगस्त को जयंती, फिर उठेगा सम्मान का सवाल

छत्रपाल सिंह का जन्म 12 अगस्त 1997 को हुआ था। 12 अगस्त को उनकी जयंती पर गांव और क्षेत्र में उनके शौर्य एवं बलिदान को याद किया जाएगा। लेकिन इस बार जयंती के मौके पर एक सवाल भी सामने रहेगा— जिस जवान ने 22 साल की उम्र में देश के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया, उसके नाम पर एक स्कूल का नामकरण करने में छह साल क्यों लग गए? शहीद परिवार अब प्रशासन के आश्वासन के बाद उम्मीद लगाए बैठा है कि उनके बेटे की स्मृति को स्थायी सम्मान देने की यह मांग जल्द पूरी होगी।

सम्पादकीय

बाड़ खेत को खाए

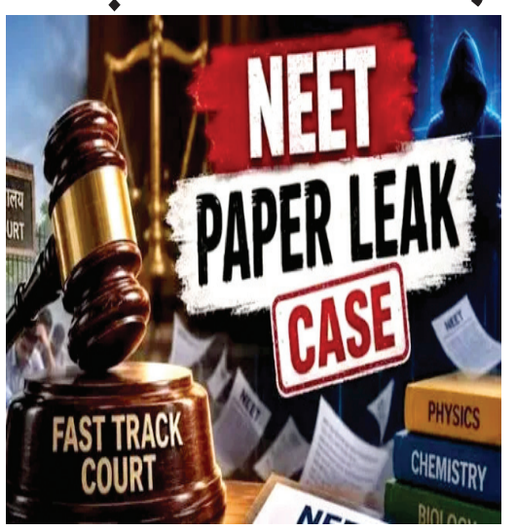

नीट पेपरलीक मामले में सीबीआइ की ओर से दी गई यह जानकारी चौंकाने वाली है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के तीन विषय विशेषज्ञों ने ही प्रश्नपत्र लीक किए थे। इन्होंने गोपनीय प्रश्न तैयार करने और अनुवाद की प्रक्रिया के दौरान परीक्षा सामग्री बाहर निकाली और उसे बिचौलियों के माध्यम से उन अभ्यर्थियों तक पहुंचाया, जो छल-कपट से नीट पास करना चाह रहे थे। इनका साथ कोचिंग चलाने वालों ने भी दिया। ये तीनों शिक्षक थे, जो एनटीए को अपनी सेवाएं दे रहे थे। साफ है कि जिन पर परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने की जिम्मेदारी थी, उन्होंने ही उसमें सेंध लगाने का काम किया। यह एक तरह से बाड़ खेत को खाए वाला ही मामला है। इससे बड़ी विडंबना और कोई नहीं हो सकती कि जिम्मेदार लोग ही गैर-जिम्मेदारी का परिचय दें। इन शिक्षकों ने अपनी हरकतों से 22 लाख से अधिक छात्रों को दोबारा परीक्षा देने के लिए बाध्य ही नहीं किया, एनटीए की बदनामी भी कराई और सरकार के सामने मुसीबत भी खड़ी की।

इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि पेपरलीक रोधी कानून को बेहद कठोर बनाया गया है और नीट पेपरलीक मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालत को सौंप दी गई है, क्योंकि बात तब बनेगी जब पेपरलीक के दोषियों को यथाशीघ्र कठोर दंड मिलेगा। यह सजा ऐसी होनी चाहिए, जो नजीर बन सके और परीक्षा में सेंध लगाने वालों के मन में भय पैदा कर सके।

नीट पेपरलीक मामले में यह भी ध्यान रहे कि एनटीए को सेवाएं दे रहे शिक्षक अपने नापाक इरादे में इसलिए कामयाब नहीं रहे, क्योंकि वे बुरी नीयत वाले थे। वे इसलिए भी कामयाब हुए, क्योंकि एनटीए ने परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए बुनियादी आवश्यक उपाय नहीं किए। उसने प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया ऐसी रखी कि आरोपित शिक्षकों की सभी प्रश्नों तक पहुंच बहुत आसान हो गई।

खराब बात यह भी रही कि प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया की सीसीटीवी से सटीक निगरानी भी नहीं की गई। समझना कठिन है कि आरोपित शिक्षकों को पूरा प्रश्नपत्र तैयार करने और उनका अनुवाद करने की सुविधा क्यों दी गई? यह प्रश्न भी अनुत्तरित है कि नीट प्रश्नपत्र के कई सेट क्यों नहीं तैयार किए गए? ऐसा लगता है कि एनटीए के वरिष्ठ अधिकारी इससे परिचित ही नहीं थे कि परीक्षा में सेंध लगाने वाला एक माफिया पैदा हो गया है, जिसमें कोचिंग चलाने वालों के साथ शिक्षक भी शामिल हो सकते हैं। यह प्रकरण इसकी ओर भी संकेत करता है कि जिन शिक्षकों से परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने के मामले में उदाहरण पेश करने की अपेक्षा की जाती है, वही नैतिकता को तिलांजलि देने वाले अपराधी निकले। स्पष्ट है कि यह समाज में नैतिकता में गिरावट को भी रेखांकित करता है।

नाम परिवर्तन

मैं मो अयुब खान पुत्र मो शनीफ खान जाति कायमखानी निवासी वार्ड नं 07 टाई तहसील बिसाऊ जिला झुन्झुनूं (राज.)। मेरे पुत्री के स्कूल रिकॉर्ड में मेरा नाम मो अयुब दर्ज है। जबकि मेरा सही नाम मो अयुब खान है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जावे व मेरी पुत्री के स्कूल रिकॉर्ड में भी दुरुस्त करे।

जन्मतिथि परिवर्तन

मैं कौशर बानो पत्नी खादिम अली जाति कायमखानी निवासी वार्ड नं. 12 बिसाऊ तहसील बिसाऊ जिला झुंझुनू (राज.)। मेरी पुत्री समीरा के स्कूल रिकॉर्ड में उसकी जन्मतिथि 02.09.2010 दर्ज है। जबकि उसकी सही जन्मतिथि 02.09.2011 है भविष्य में इसे ही सही माना जावे व मेरी पुत्री के स्कूल रिकॉर्ड में भी दुरुस्त करे।

जन्मतिथि परिवर्तन

मैं साबिरा पत्नी मो. अयुब जाति कायमखानी निवासी वार्ड नं. 12 बिसाऊ तहसील बिसाऊ जिला झुंझुनू (राज.)। मेरी पुत्री सनाया के स्कूल रिकॉर्ड उसकी जन्मतिथि 03.07.2011 दर्ज है। जबकि उसकी सही जन्मतिथि 31.07.2010 है भविष्य में इसे ही सही माना जावे व मेरी पुत्री के स्कूल रिकॉर्ड में भी दुरुस्त करे।

जन्मतिथि परिवर्तन

मैं सोनू पुत्र सत्यनारायण जाति ब्राह्मण निवासी वार्ड नं 07 बिसाऊ तहसील बिसाऊ जिला झुंझुनू (राज.)। मेरे पुत्र हार्दिक शर्मा के स्कूल रिकॉर्ड में उसकी जन्मतिथि 07.12.2012 दर्ज है। जबकि उसकी सही जन्मतिथि 07.02.2012 है भविष्य में इसे ही सही माना जावे व मेरे पुत्र के स्कूल रिकॉर्ड में भी दुरुस्त करे।

नाम परिवर्तन

मैं महमूद अली पुत्र सुबराती निवासी मिल्लत नगर वार्ड नं 14 झुन्झुनू तहसील व जिला झुंझुनू (राज.)। मेरे पुत्र के स्कूल रिकॉर्ड में उसका नाम आमीर (AMIR) व पिता का नाम महमूद (MAHAMUD)दर्ज है। जबकि मेरे पुत्र का सही नाम आमीर खान (AMIR KHAN) व पिता का सही नाम महमूद अली (MAHAMUD ALI) है भविष्य में इन्हें ही सही माना जावे व मेरे पुत्र के स्कूल रिकॉर्ड में भी दुरुस्त करे।

विशेष आलेख

अगर भारत-पाक युद्ध हुआ तो क्या इंडिया के खिलाफ अपनी सेना उतारेंगे तुर्की और साउदी अरब

नाटो के भीतर जब अमेरिका और उसके सहयोगियों के बीच भरोसे की दरारें गहरी हो रही हैं, ठीक उसी समय पश्चिम एशिया में एक नया शक्ति-केंद्र खड़ा करने की कोशिश शुरू हो गई है। मक्का में तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान ने ऐसा रक्षा समझौता किया है, जिसकी सबसे अहम लाइन में साफ कहा गया है कि तीनों में से किसी एक पर हमला हुआ तो उसे तीनों पर हमला माना जाएगा। यही वह बिंदु है, जो इस समझौते को सामान्य सैन्य सहयोग से उठाकर एक संभावित नए क्षेत्रीय सुरक्षा गठबंधन में बदल देता है। हालांकि इसे अभी आधिकारिक तौर पर 'सुन्नी नाटो' कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इसके भीतर उसकी बुनियादी तस्वीर जरूर दिखाई देने लगी है। देखा जाये तो मक्का में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन का एक मंच पर आना अपने आप में बड़ा संदेश है। खास बात यह है कि यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब पश्चिम एशिया पहले ही ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव की आग में झुलस रहा है। सऊदी अरब पर ईरान और उसके सहयोगी संगठनों के हमलों का खतरा है। पाकिस्तान अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है और तुर्किये पश्चिम एशिया में अपनी भूमिका लगातार बढ़ा रहा है। यानी तीनों देश एक-दूसरे की जरूरत बन गए हैं।

क्यों हुआ त्रि-पक्षीय समझौता?

वर्तमान हालात को देखें तो सऊदी को चाहिए सुरक्षा, पाकिस्तान को पैसा और तुर्किये को ताकत, इसलिए तीनों एक साथ आ गये हैं। हालांकि इस गठजोड़ को समझने के लिए तीनों देशों के हितों को अलग-अलग देखना होगा। सबसे पहले सऊदी अरब की बात करें तो उसके सामने सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा का है। दशकों तक रियाद ने अमेरिकी सुरक्षा छाते पर भरोसा किया। लेकिन अब सऊदी नेतृत्व यह मानकर चल रहा है कि बदलती अमेरिकी नीति में किसी एक बाहरी शक्ति पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। ईरान और उसके सहयोगियों की मिसाइल तथा ड्रोन क्षमता ने इस खतरे को और वास्तविक बना दिया है। ऐसे में सऊदी अरब ने अपना सुरक्षा कवच चौड़ा करना शुरू किया है। पाकिस्तान उसके लिए स्वाभाविक साझेदार है। पाकिस्तानी सेना दशकों से सऊदी सुरक्षा बलों को प्रशिक्षण देती रही है और हाल के महीनों में पाकिस्तान ने सऊदी अरब में सैनिकों, लड़ाकू विमानों, ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियों की मौजूदगी भी बढ़ाई है। वहीं पाकिस्तान की जरूरत बिल्कुल दूसरी है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को सऊदी अरब से निवेश और आर्थिक मदद चाहिए, जबकि तुर्किये से रक्षा तकनीक और सैन्य सहयोग चाहिए। बदले में पाकिस्तान अपनी सेना और परमाणु क्षमता को मुस्लिम दुनिया की सुरक्षा में सबसे बड़ा सैन्य योगदान बताकर अपनी भू-राजनीतिक अहमियत बढ़ाना चाहता है। वहीं तुर्किये की बात करें तो एर्दोगन लंबे समय से अपने देश को सिर्फ नाटो का सदस्य नहीं, बल्कि मुस्लिम दुनिया की एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। तुर्किये के पास अत्याधुनिक ड्रोन, रक्षा उद्योग और बड़ी सैन्य ताकत है। पाकिस्तान के साथ उसका रक्षा सहयोग पहले ही तेजी से बढ़ चुका है।

यह गठबंधन किसके खिलाफ है?

अब सवाल उठता है कि यह गठबंधन किसके खिलाफ है? इस सवाल का जवाब हालांकि तीनों देशों ने नहीं में दिया है। तुर्किये ने साफ कहा है कि समझौता रक्षात्मक है, यह किसी खास देश या संगठन को निशाना नहीं बनाता और दूसरे क्षेत्रीय देशों के लिए भी खुला है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सिर्फ दस्तावेज की भाषा नहीं देखी जाती, टाइमिंग भी देखी जाती है। और इस समझौते की टाइमिंग बहुत कुछ कहती है क्योंकि इस समय ईरान और सऊदी अरब के बीच तनाव चरम पर है। ईरान समर्थित हूती, इराकी मिलिशिया और अन्य समूहों की गतिविधियों ने खाड़ी देशों की सुरक्षा चिंता बढ़ाई है। दूसरी तरफ इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को बारूद के ढेर में बदल दिया है। इसलिए यह समझौता भले ही ईरान का नाम न ले, लेकिन ईरान के लिए इसका संदेश साफ है कि सऊदी अरब अब अकेला नहीं है।

ईरान की बढ़ेंगी मुश्किलें

वहीं इस समझौते के बाद ईरान के लिए नई चुनौती खड़ी हो गयी है। तेहरान अब तक पश्चिम एशिया में अपने प्रभाव का बड़ा हिस्सा सहयोगी और प्रॉक्सी संगठनों के नेटवर्क के जरिए कायम करता रहा है। लेकिन यदि सऊदी अरब को पाकिस्तान की सैन्य क्षमता और तुर्किये की रक्षा तकनीक का समर्थन मिलने लगे तो क्षेत्रीय समीकरण बदल सकते हैं। यही कारण है कि मक्का समझौते को ईरान के खिलाफ सीधा सैन्य गठबंधन नहीं होते हुए भी ईरान के लिए रणनीतिक चुनौती जरूर माना जा सकता है।

इजराइल-अमेरिका को भी संदेश

दिलचस्प बात यह है कि इस गठबंधन का एक और बड़ा संदेश इजरायल के लिए भी है। पश्चिम एशिया में जिस 'सुन्नी धुरी' की चर्चा लंबे समय से होती रही है, वह अब सिर्फ राजनीतिक अवधारणा नहीं रहना चाहती। साथ ही यह अमेरिका के लिए भी खतरे की घंटी है और यह समझौता वाशिंगटन के लिए भी सुखद खबर नहीं है। दरअसल सऊदी अरब और तुर्किये दोनों अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था के पुराने साझेदार हैं। लेकिन यदि यही देश अपनी सुरक्षा के लिए अलग क्षेत्रीय सैन्य ढांचा बनाने लगें तो इसका अर्थ साफ है कि अमेरिकी सुरक्षा छतरी पर भरोसा कम हो रहा है। यही इस समझौते का सबसे बड़ा दीर्घकालिक रणनीतिक अर्थ हो सकता है।

सुन्नी नाटो सिर्फ कल्पना है या हकीकत?

इसके अलावा, यदि मक्का मॉडल सफल होता है और उसमें दूसरे सुन्नी देश शामिल होते हैं, तो पश्चिम एशिया में अमेरिका के नेतृत्व वाली सुरक्षा व्यवस्था के समानांतर एक क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचा खड़ा हो सकता है। सवाल उठता है कि इसमें और कौन-से देश शामिल हो सकते हैं? इसके जवाब में कतर, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात और सीरिया जैसे देशों के नाम संभावित सदस्य के रूप में सामने आ रहे हैं। हालांकि यह भी एक तथ्य है कि यूएई की कई क्षेत्रीय मुद्दों पर सऊदी अरब और तुर्किये से अलग नीति रही है। साथ ही मिस्र भी किसी ऐसे सैन्य गठबंधन में फंसना नहीं चाहेगा जो उसे सीधे किसी क्षेत्रीय युद्ध में धकेल दे। वहीं सीरिया अपनी युद्धोत्तर परिस्थितियों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है। इसलिए 'सुन्नी नाटो' का विस्तार संभव जरूर है, लेकिन आसान नहीं है।

त्रि-पक्षीय समझौते का भारत पर क्या होगा असर?

अब सवाल यह है कि इस रक्षा समझौते का भारत पर क्या असर पड़ेगा और अगर भारत-पाकिस्तान के बीच फिर सैन्य टकराव हुआ तो क्या तुर्किये और सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ खड़े होंगे और भारत के खिलाफ युद्ध लड़ेंगे? देखा जाये तो भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता पाकिस्तान की बढ़ती रणनीतिक क्षमता है। तुर्किये पहले से ही पाकिस्तान का करीबी सैन्य साझेदार है और कश्मीर से लेकर रक्षा सहयोग तक उसका रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। 2025 के भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव में भी अंकारा ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। ऐसे में भविष्य में पाकिस्तान को तुर्किये से ड्रोन, हथियार, तकनीक, खुफिया सहयोग और सैन्य सहायता का अधिक संगठित समर्थन मिल सकता है। हालांकि सऊदी अरब को तुर्किये के साथ एक ही नजर से देखना सही नहीं होगा क्योंकि रियाद के पाकिस्तान से गहरे रक्षा संबंध जरूर हैं, लेकिन भारत भी उसके लिए ऊर्जा, व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग का अहम साझेदार है।

युवा उम्र में लिया गया सही फैसला, जीवनभर देता है आर्थिक सुरक्षा

18 से 30 वर्ष की आयु में हाई रिस्क कवर प्लान क्यों बन गया है समय की सबसे बड़ी जरूरत

नवयत्न

नौकरी की पहली सैलरी, नए सपने, करियर की उड़ान और बेहतर भविष्य की उम्मीदें-यही पहचान है 18 से 30 वर्ष की आयु की। लेकिन इसी उम्र में अधिकांश युवा एक ऐसी गलती कर बैठते हैं, जिसका अहसास उन्हें तब होता है। जब जीवन अचानक कठिन मोड़ पर खड़ा कर देता है। यह गलती है, पर्याप्त बीमा सुरक्षा न लेना। आज भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। लाखों युवा हर वर्ष नौकरी, व्यवसाय और स्वरोजगार की शुरुआत कर रहे हैं। दूसरी ओर सड़क दुर्घटनाओं, हृदय रोग, कैंसर, किडनी रोग और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। चिकित्सा सुविधाएं पहले से बेहतर हुई हैं, लेकिन इलाज का खर्च भी कई गुना बढ़ चुका है। ऐसे में यदि किसी युवा के साथ कोई अप्रत्याशित दुर्घटना या गंभीर बीमारी हो जाए, तो परिवार की वर्षों की जमा-पूंजी कुछ ही दिनों में समाप्त हो सकती है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ 18 से 30 वर्ष की आयु में हाई रिस्क कवर प्लान लेने की सलाह देते हैं। कम उम्र में व्यक्ति सामान्यत: स्वस्थ होता है, इसलिए कम प्रीमियम में अधिक बीमा सुरक्षा प्राप्त की जा सकती है। यही बीमा आगे चलकर जीवनभर आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन जाता है। बीमा केवल मृत्यु के बाद मिलने वाली राशि का नाम नहीं है।

आधुनिक बीमा योजनाओं में गंभीर बीमारी कवर, दुर्घटना लाभ, आय सुरक्षा, अस्पताल व्यय और परिवार की आर्थिक सहायता जैसी कई सुविधाएं भी शामिल हो सकती हैं। इसलिए बीमा को खर्च नहीं, बल्कि भविष्य में आने वाले बड़े आर्थिक जोखिमों से बचाने वाला निवेश माना जाना चाहिए। आज के युवा अक्सर मोबाइल फोन, बाइक, कार और घूमने-फिरने पर आसानी से खर्च कर देते हैं, लेकिन बीमा को टालते रहते हैं। जबकि सच यह है कि नई बाइक या महंगा मोबाइल दोबारा खरीदा जा सकता है, लेकिन यदि कमाने वाले व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी हो जाए तो उसका आर्थिक प्रभाव पूरे परिवार को वर्षों तक प्रभावित कर सकता है। विशेषज्ञों का मानना है, कि यदि किसी व्यक्ति पर शिक्षा ऋण, गृह ऋण, वाहन ऋण या परिवार की जिम्मेदारी है, तो उसके लिए पर्याप्त हाई रिस्क कवर और स्वास्थ्य बीमा दोनों आवश्यक हैं। इससे किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में परिवार को आर्थिक संकट का सामना नहीं करना पड़ता।

क्यों जरूरी है हाई रिस्क कवर प्लान

कम उम्र में कम प्रीमियम। अधिक बीमा राशि का लाभ। दुर्घटना और गंभीर बीमारी में आर्थिक सुरक्षा। परिवार की वित्तीय स्थिरता। बढ़ते मेडिकल खर्चों से सुरक्षा। भविष्य में बीमा लेने में होने वाली कठिनाइयों से बचाव।

क्या करें

अपनी आय के अनुसार पर्याप्त बीमा कवर चुनें। स्वास्थ्य बीमा और टर्म इंश्योरेंस दोनों को प्राथमिकता दें। बीमा लेने से पहले योजना की शर्तें और क्लेम सेटलमेंट रिकॉर्ड अवश्य देखें। किसी अनुभवी और प्रमाणित बीमा सलाहकार से परामर्श लेकर ही योजना का चयन करें।

विशेष लेख
श्रीराम तिवाड़ी
मुख्य जीवन बीमा सलाहकार,
भारतीय जीवन बीमा निगम

निष्कर्ष-सफल वही नहीं होता जो केवल अधिक कमाता है, बल्कि वह भी सफल है जो अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए समय रहते सही निर्णय लेता है। 18 से 30 वर्ष की आयु में लिया गया हाई रिस्क कवर प्लान केवल एक बीमा पॉलिसी नहीं, बल्कि जीवनभर की आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक है। कम उम्र में लिया गया सही बीमा निर्णय, भविष्य की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बन सकता है।

पपीता खाने से सेहत को मिलते हैं यह फायदे

पपीता शरीर के लिए बहुत हेल्दी होता है। अधिकतर लोगों को यह काफी पसंद होता है। इसे बच्चों से लेकर घर के बुजुर्गों तक को आसानी से दिया जा सकता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे फोलेट, विटामिन ए, फाइबर, कॉपर और पोटेशियम। इसके सेवन से पाचन-तंत्र से जुड़ी समस्याएं कम होने के साथ हड्डियां भी मजबूत होती हैं। यह पूरे साल भर आसानी से मार्केट में मिल जाता है। अक्सर लोग इसे काटकर इसमें काला नमक मिलाकर खाते हैं। यह कब्ज की समस्या से राहत देने के साथ पेट को साफ रखने में मदद करता हैं। इसमें कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो स्किन की कई समस्याओं को आसानी से दूर करते हैं।

पाचन-तंत्र के लिए फायदेमंद : पपीता खाने से पाचन से जुड़ी समस्याओं में आराम मिलता है। पपीते में हाइमोपैपेन और पैपेन नामक तत्व पाए जाते हैं, जो पेट को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। आप इसे ईवनिंग स्नैक्स या सुबह के नाश्ते के साथ आसानी से खा सकते हैं। इसके सेवन से खाना पचाने में मदद मिलने का सेथ अपच, गैस और ब्लोटिंग से राहत मिलती हैं।

हार्ट के लिए फायदेमंद : पपीते खाने से हार्ट संबंधी समस्याएं कम होने के साथ हार्ट लंबे समय तक हेल्दी रहता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट से हार्ट का ब्लड सर्कुलेशन ठीक होता है, जिससे हार्ट अटैक और हार्ट स्ट्रोक के खतरे से बचाव होता हैं। पपीते खाने से मांसपेशियों को होने वाले नुकसान से बचाव होता है।

सूजन कम करने में मददगार : पपीते खाने से शरीर की सूजन कम होने के साथ कई तरह की बीमारियां कम होती हैं। पपीते के अर्क में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई बीमारियों से बचाते हैं। पपीते के नियमित सेवन से शरीर स्वस्थ रहने के साथ शरीर लंबे समय तक हेल्दी रहता है।

हड्डियों को मजबूत बनाए : पपीते के सेवन से हड्डियों को मजबूत मिलने के साथ मांसपेशियों में होने वाला दर्द भी कम होता है। पपीते में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है,जो हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ उनको लंबे समय तक स्वस्थ रखता है। पपीते में भरपूर मात्रा में विटामिन के भी पाया जाता है, जो कैल्शियम के अवशोषण में मदद करता है।

वजन कम करने में मददगार : पपीते के सेवन से वजन कम करने में मदद मिलती है। पपीते में एंटी-ओबेसिटी गुण पाए जाते हैं, जो वजन कम करने में मदद करने के साथ बैली फैट को भी कम करते हैं। पपीते में काफी कम कैलोरी होती है, जो वजन कम करने के साथ पेट को लंबे समय तक भरकर रखता है।

आज का राशिफल

मेष
वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें।

वृष
शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन
धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

कर्क
शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

सिंह
किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी।

कन्या
घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी सहयोग करेंगे।

तुला
घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

वृश्चिक
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु
स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। धैर्य रखें।

मकर
आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में प्रमोशन प्राप्त हो सकता है।

कुंभ
चोट व रोग से परेशानी संभव है। आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। प्रमाद न करें।

मीन
शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ में भारत विकास परिषद् शाखा द्वारा महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बापू नगर में गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से शुरू हुए कार्यक्रम में मंच पर स्थानीय शाखा के वरिष्ठ सदस्य मदनलाल कम्मा, संरक्षक वासुदेव चाकलान, अध्यक्ष परमेश्वरलाल आत्रेय, संयोजक शुकदेव सांखोलिया, मंजुला चाकलान, वेदप्रकाश पंवार, राजेन्द्र सिंह बिदावत और संस्था प्रधान दयानंद मंचस्थ अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री चाकलान ने भारत विकास परिषद् का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। वहीं मदनलाल कम्मा ने गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम पर विस्तृत प्रकाश डाला। राजेंद्र सिंह बिदावत ने पर्यावरण एवं नशे के दुष्परिणाम बताये। प्रधानाचार्य दयानंद का दुपट्टा व कंठहार पहनाकर अभिनंदन किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर विद्यालय के शिक्षक रुपचंद, सुनिता शर्मा व भारती यादव को दुपट्टा ओढ़ाकर, कंठहार पहनाकर, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया वहीं अपनी कक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी रोनक, सौरभ, एवं साक्षी का दुपट्टा ओढ़ाकर प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया । शुकदेव सांखोलिया ने नशा न करने की शपथ दिलाई । विद्यालय के शिक्षक रवि प्रकाश शर्मा के संचालन में हुए कार्यक्रम में भंवरलाल टेलर, पवन महर्षि, दिनेश महर्षि, विजय कुमार दाधिच, विनोद सेगण, अनिता सहित कई शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे। संस्था प्रधान दयानंद द्वारा आभार व्यक्त किया गया । राष्ट्र गान के पश्चात् कार्यक्रम का समापन किया गया।

हर घर तिरंगा अभियान की प्रगति को लेकर बैठक आयोजित

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। भाजपा में हर घर तिरंगा अभियान की प्रगति को लेकर जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़ ने पदाधिकारियों की बैठक शनिवार को ली। जिलाध्यक्ष बाटड़ ने अभियान में प्रत्येक घर में तिरंगा लगाने के लिए कहा। कहा कि भारत की आजादी के पर्व को हर घर पर तिरंगा लगाकर मनाएं। उन्होंने कहा कि एक अगस्त से प्रारंभ हुआ अभियान स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त तक आयोजित होगा। कहा कि जिले के आठों विधानसभाओं में प्रत्येक घर में तिरंगा अभियान के कार्य में जिम्मेदारी का निर्वहन करना है। इस दौरान जिला महामंत्री राजेश रोलन, तिरंगा अभियान के जिला संयोजक जितेंद्र सिंह कांरगा, जिला उपाध्यक्ष नेमीचंद कुमावत, जिला मंत्री प्रभुसिंह सेवद, सह-संयोजक महेश ढाका, कंचन अग्रवाल, नंदलाल बिजारणियां, वरुण, कुशलेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

सुंदरलाल गंगानी स्मृति तृतीय कथक उत्सव आज

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। निकटवर्ती गांव बडावर के प्रख्यात कथक नृत्याचार्य पंडित सुंदरलाल गंगानी की स्मृति में तृतीय कथक उत्सव 9 अगस्त को सी सी मेहता ऑडिटोरियम बडोदरा में शाम को आयोजित होगा। द यंग्स कल्ब ऑफ सुजानगढ़ के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा ने बताया कि इस सांगीतिक अनुष्ठान का आरंभ उदीयमान कलाकार अन्वेशा महापात्रा के एकल कथक नृत्य से होगा। इस प्रस्तुति का निर्देशन पंडित सुंदरलाल गंगानी के पौत्र, कथक उत्सव के सहसंस्थापक तथा पंडित हरीश गंगानी के शिष्य प्रतिष्ठित कथक कलाकार धर्मेश गंगानी करेंगे। अगली प्रस्तुति रोहित सोनगरा का कथक नृत्य होगा जिसमें पढन्त गुरु राजेश सोनगरा तथा तबला संगत जतिन गंगानी करेंगे। इसी क्रम में कथक गुरु पंडित जगदीश गंगानी के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय ख्यातनाम कलाकार प्रीति साठे दामले एकल कथक नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति देगी, तबला संगत पंडित भूपेश गंगानी करेंगे। कार्यक्रम का आकर्षण ट्रायो के रूप में होगा, जिसमें प्रख्यात तबलावादक जीतू शंकर, जेंबे कलाकार पीयूष शंकर, ड्रम्स कलाकार मयंक शंकर एक साथ मंचीय प्रस्तुति देंगे, शाहनवाज सारंगी तथा अजीत की बोर्ड पर संगत करेंगे। अमित खींची की कथक गायन की प्रस्तुति के साथ आयोजन का समापन होगा। इनके साथ तबला पर प्रवण चौहान व यश गंगानी तथा पखावज पर आशीष गंगानी संगत करेंगे।

राजकीय विद्यालय में अलमारी भेंट

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। रतनगढ़ की हनुमान प्रसाद सीताराम सेवा समिति ने ग्राम जालेऊ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में समिति के अध्यक्ष सीताराम शर्मा ने अपनी माताजी गोदावरी देवी की स्मृति में में अलमारी भेंट की। प्राचार्य चेतराम मेघवाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी सीताराम शर्मा, विशिष्ट अतिथि योगगुरु सांवरमल जांगिड़, भामाशाह प्रेरक शिक्षक राकेश गहलोत, एसएमसी अध्यक्ष शिवदत्त माली, विजेंद्र सिंह और बाबू खां मंचस्थ अतिथि थे । इस मौके पर मुख्य अतिथि शर्मा ने समिति के सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए समाज के विकास, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण और रक्तदान के क्षेत्र में अधिकाधिक कार्य करने का आह्वान किया। योगगुरु सांवरमल जांगिड़ ने विद्यार्थी जीवन से ही नियमित योग को अपनाने पर बल दिया। संस्था प्रधान चेतराम ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दीं। इस मौके पर शिक्षक राजाराम शर्मा, सुनील आत्रेय, सुभाषचंद्र, रामचंद्र प्रजापत, भारती सैनी, राजबाला, समोज मीणा, महेंद्र कुमार, बाबूलाल मीणा, नीरज मीणा एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे। संचालन शिक्षक महेश कुमार सैनी ने किया।

भगवान शिव के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। निकटवर्ती ठरड़ा में शुक्रवार की रात सावन मास में भगवान शिव का विशेष जागरण आयोजित किया गया। शेखावाटी के प्रसिद्ध संतों मीरण धाम के मुक्तिनाथ महाराज, अखण्डनाथ बगीची के नेमनाथ महाराज के सान्निध्य में आयोजित जागरण में झारिया धाम के आकाश नाथ महाराज ने भोलो भंडारी, न स्वर ह न सरगम है, भरत पियारा मेरो नाम हनुमान, उजली बतीसी लंबा केश जैसे भजनों की प्रस्तुतियां देकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में दिनेश पीपलवा, ब्रह्मप्रकाश शर्मा, महेश पीपलवा, सुरेश पीपलवा, सौरभ पीपलवा, राजकुमार नवहाल, हंसराज सोनी ने संतों का स्वागत किया। इस दौरान जगदीश खोड़, निर्मल सिंगोदिया, विनय माटोलिया, रामस्वरूप बोचीवाल, प्रदीप टाक, राजेश सुंदरिया, बंकट बोचीवाल, विकास सोनी, बसंत पारीक, भागीरथ स्वामी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। देर रात तक भक्तों ने भजनों का आनंद लेकर पुण्य लाभ कमाया।

शांति भंग के आरोप में नौ गिरफ्तार

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। कोतवाली पुलिस ने नौ लोगों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। कोतवाली सीआई मुकेशचन्द्र ने बताया कि कानाराम गांव बासी, रेखाराम, गोपालराम गांव बाड़ा को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार अकरम, अरमान, समीर, अफजल, अब्दुल मजीद उर्फ चूसिया, हैदर अली को भी शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर पाबंद करवाया गया है।

गंगोत्री से कावड़ लेकर आ रहे है कांवड़ियों का जत्था कल चावंडिया पहुंचेगा

नंदलाल गौड़

लोसल (नवयत्न)। शिव भोले संघ चावंडिया के कावड़िए गौमुख (गंगोत्री) गंगा नदी के उद्गम एवं भोले के दरबार से कावड़ लेने गए शिव भक्तों का जत्था गंगोत्री से गंगाजल लेकर पैदल आ रहे शिव भक्त सोमवार को लोसल के नजदीक चावंडिया पहुंचेंगे। गंगोत्री से यह जत्था शिव मंदिर चावंडिया के लिए सोमवार को रवाना हुआ था और लोहारू पहुंच गए हैं।

राकेश सिंह ने बताया कि हर साल की भांति भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए हर सावन के महीन में संघ के कावड़िए देवस्थानों से कावड़ लेकर अपने ग्राम चावंडिया के शिव मंदिर में भगवान शिव को जल चढ़ा कर इच्छित मनोकामना करते है । पिछले साल केदारनाथ से जल भरकर यही कांवड़िए चावंडिया के सभी शिवालयों में जलाभिषेक किया था। इस साल शिव भक्त भोले इच्छानुसार गौमुख (गंगोत्री) से 10 सदस्य चावंडिया के लिए खड़ी कांवड़ लेकर रवाना हो गए है । जो की 10 अगस्त सोमवार को चावंडिया के शिव मंदिर में पहुंचेंगे। यह सभी कावड़िये पहले बद्रीनाथ, गंगोत्री के दर्शन कर के गौमुख जिसको गंगा नदी का उदगम स्थल माना जाता हैं। गौमुख का रास्ता बहुत दुर्गम हैं लेकिन सभी कावड़िये सकुशल जल भर प्रस्थान हो गए। संघ के सदस्य संजय पारीक के अनुसार संघ में शामिल संजय पारीक, गजेंद्र सैन, राकेश सिंह, सुरेंद्र सिंह, श्याम सिंह, विजय पारीक, मालचंद कुमावत, विक्रम सिंह, मुकेश एवं राजेन्द्र सिंह है। इधर लोसल से भी भोलेनाथ शिव के भक्त आस्था का केंद्र लोहार्गल तीर्थ स्थल से राहुल कुमावत और राकेश कुमावत 51 किलो की कावड़ लेकर लोसल के लिए रवाना हुए हैं। यात्रा पूरी कर सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 58 रोगी हुए लाभान्वित

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। संतोकबा दुर्लभ जी हॉस्पिटल जयपुर के स्पाइन सर्जन डॉ प्रितेश अग्रवाल ने शुक्रवार को राठी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में निःशुल्क सेवाएं प्रदान कर मरीजों को उचित परामर्श दिया। राठी हॉस्पिटल के डायरेक्टर अनिल शर्मा ने बताया कि डॉ प्रितेश अग्रवाल प्रत्येक माह के पहले शुक्रवार को अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया गर्दन, कमर, घुटने व कंधे का दर्द सर्वाइकल समस्या, डिस्क की समस्या, चलने में कठिनाई, हाथ पैर में सूजन व स्पाइन ट्यूमर की समस्या से पीड़ित रोगी लाभ उठा सकते हैं। शिविर में 58 लोग लाभान्वित हुए। शिविर को सफल बनाने में महेंद्र पारीक, पीयूष सैनी, प्रेम भार्गव, रामावतार खंडेलवाल, अर्जुन गुर्जर, जुबेर खां ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

एसडीएम ने किया अम्बेडकर छात्रावास एवं मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। उपखण्ड अधिकारी ने डॉ भीमराव अम्बेडकर छात्रावास का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान विद्यार्थियों की उपस्थिति, साफ-सफाई, भोजन व्यवस्था, पेयजल, विद्युत व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। भोजन की गुणवत्ता एवं निर्धारित मापदण्डों के अनुसार भोजन उपलब्ध करवाए जाने की भी जांच की गई। एसडीएम ने छात्रावास अधीक्षक को भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने तथा विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। वहीं नगरीय निकाय चुनाव को लेकर मतदान केन्द्रों का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान अम्बेडकर छात्रावास, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय शहरिया बास, राजकीय 9 नम्बर विद्यालय सहित विभिन्न मतदान केन्द्रों का जायजा लिया गया। मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, बीएलओ की उपस्थिति एवं मतदाता सूची से संबंधित कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

निकाय-पंचायत चुनाव की तैयारी में जुटी सुभासपा, संगठन मजबूत करने पर जोर

निसं

जयपुर (नवयत्न)। आगामी नगर निकाय एवं पंचायत चुनावों को लेकर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जयपुर के दुर्गापुरा स्थित राजा मानसिंह विद्यालय के सभागार में पार्टी की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्थान में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के साथ आगामी चुनावों की रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक को सुभासपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी सुभाष चंद्र यादव ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से गांव-गांव तथा जन-जन तक पार्टी की नीतियों, विचारधारा और सामाजिक सरोकारों को पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं और आगामी चुनावों को देखते हुए जमीनी स्तर पर पार्टी की सक्रियता बढ़ाने की आवश्यकता है। यादव ने कार्यकर्ताओं से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के संघर्ष, सामाजिक न्याय तथा वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी जनता के बीच मजबूती से रखने का आह्वान किया। बैठक में आगामी नगर निकाय एवं पंचायत चुनावों में संगठन की भूमिका, बूथ एवं वार्ड स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता तथा पार्टी की राजनीतिक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रदेश में पार्टी संगठन के विस्तार और कार्यकर्ताओं को चुनावी तैयारियों के लिए सक्रिय करने पर भी जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने आगामी चुनावों को लेकर संगठनात्मक स्तर पर आवश्यक तैयारियों और जिम्मेदारियों पर चर्चा की। इस अवसर पर सुभासपा के प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह राजभर, प्रदेश कोषाध्यक्ष राजकुमार निषाद, प्रचार मंत्री सियाराम निषाद, जयपुर जिला अध्यक्ष अशोक गौड़, विधानसभा महिला मंच अध्यक्ष उर्मिला देवी, युवा मंच विधानसभा अध्यक्ष संजय सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केशवानंद के 6 खिलाड़ियों का जिला फुटबॉल एसोसिएसन की राज्य टीम में चयन

सुरेन्द्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। एन एच 52 स्थित स्वामी केशवानंद शिक्षण संस्थान, भढ़ाढर के छह फुटबॉल खिलाड़ियों सहजान, अमन, आवेश, आर्यन, ऋषिराज और अनस का जिला फुटबॉल एसोसिएशन राज्य फुटबॉल टीम में चयन हुआ है। चयनित खिलाड़ी नागौर में 7 से 10 अगस्त तक आयोजित राजस्थान स्टेट जूनियर बालक फुटबॉल चैंपियनशिप में अपना दमखम दिखायेंगे। सीईओ साहिल ढाका ने बताया कि खिलाड़ियों ने नियमित अभ्यास और बेहतर प्रदर्शन के आधार पर राज्य टीम में जगह बनाई है। संस्थान के निदेशक रामनिवास ढाका, सह निदेशक गोपाल ढाका, चेयरमैन सुरेंद्र ढाका, कैंपस हेड राहुल ढाका एवं खेल प्रभारी महेन्द्र सहारण ने फुटबॉल कोच नरेश श्योराण सहित चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी।

जैविक खेती और पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य के लिए जांगिड़ सम्मानित

निसं

कांवट (नवयत्न)। निकटवर्ती ग्राम भादवाड़ी निवासी प्रगतिशील किसान चंद्रमोहन जांगिड़ को जैविक खेती एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ माधव सिंह ने बताया कि किसान जांगिड़ वर्षों से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देते हुए किसानों को रसायन मुक्त खेती के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

एनबीसी (एनईआई लिमिटेड) में 33 वर्ष अधिकारी पद पर सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त हुए चंद्रमोहन जांगिड़ पिछले छह वर्षों से 36 बीघा भूमि पर पूरी तरह जैविक खेती कर रहे हैं। वे जीवामृत, घन जीवामृत, वेस्ट डिकमपोजर और अन्य प्राकृतिक उत्पाद स्वयं तैयार कर खेती में उपयोग करते हैं। उनका कहना है कि रासायनिक खेती से आने वाली पीढ़ियों का स्वास्थ्य खतरे में है। इसलिए प्राकृतिक खेती ही भविष्य का सुरक्षित विकल्प है। जांगिड़ को इससे पहले श्रीमती मुंगेश्वरी देवी गोदारा स्मृति पर्यावरण प्रहरी सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है। उनके जैविक खेती प्रकल्प का अवलोकन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक एवं पर्यावरण संरक्षण गतिविधि से जुड़े पदाधिकारी भी कर चुके हैं। वे अब विभिन्न स्थानों पर कार्यशालाओं के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए जागरूक करने की तैयारी कर रहे हैं। उनके सम्मान पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रोटरी क्लब श्रीमाधोपुर का आभार जताया और इसे जैविक खेती को बढ़ावा देने की प्रेरणादायी पहल बताया।

एकादशी पर होगा सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ

निसं

जयपुर (नवयत्न)। आस्था और भक्ति के पावन केंद्र श्री अमरापुर स्थान, जयपुर में सावन मास की एकादशी के अवसर पर रविवार को विशाल सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 5 से 7 बजे तक होगा। पूज्य संत श्री अमरनाथ महाराज भनंदे के बालाजी, श्री अमरापुर दरबार के पूज्य संत मोहन प्रकाश महाराज एवं स्वामी मनोहर लाल महाराज के पावन सान्निध्य में होने वाले आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। हनुमान चालीसा प्रबंधक समिति के तत्वावधान में होने वाले कार्यक्रम में संगीतमय सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के साथ दिव्य आरती की जाएगी। इस अवसर पर श्री अमरापुर स्थान स्थित मंदिर एवं समाधि स्थल का आकर्षक श्रृंगार किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि दिव्य आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को अर्थ सहित श्री हनुमान चालीसा की निःशुल्क प्रतियां वितरित की जाएंगी। कार्यक्रम में संत-महात्माओं की गरिमामय उपस्थिति रहेगी। संतों और भक्तों की ओर से संगीतमय हरिनाम संकीर्तन भी किया जाएगा। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए दोना प्रसादी, फल एवं खीर प्रसादी का वितरण किया जाएगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं भक्ति कार्यक्रम का लाभ लेने का आह्वान किया है।

पटना की इन डरावनी जगहों का नाम सुनते ही कांप उठती है रूह

पटना में स्थित महावीर मंदिर, बुद्ध स्मृति पार्क, पटना चिड़ियाघर, पटना मरीन ड्राइव और गंगा घाट जैसी चर्चित जगहों के बारे में हर कोई जानता है, लेकिन इस शहर में मौजूद डरावनी जगहों के बारे में आपको पता है? पटना में ऐसी कई डरावनी जगहें मौजूद हैं जहां रात तो छोड़ दीजिए कई लोग दिन के उजाले में भी घूमने जाने से डरते हैं।

पटना का भूत बंगला

पटना में स्थित किसी डरावनी जगह की बात होती है, तो सबसे पहले पटना का भूत बंगला का नाम जरूर शामिल रहता है। इस भूत बंगला को लेकर लोगों का मानना है कि यहां बुरी आत्मा का साया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह पहले आलीशान बंगला हुआ करता था, लेकिन जब यह खाली हुआ तो आसपास अजीब-गरीब घटनाएं होने लगी जिसके बाद यहां कोई भी रहने के लिए नहीं गया है। सूरज ढलते ही पटना के लोहिया नगर में स्थित इस भूत बंगला के आसपास कोई भी घूमने की हिम्मत नहीं करता है।

फुलवारी शरीफ कब्रिस्तान

पटना में स्थित फुलवारी शरीफ कब्रिस्तान शहर का सबसे प्राचीन कब्रिस्तान माना जाता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि सूरज ढलते ही कब्रिस्तान से चीखने और चिल्लाने की आवाज आने लगी है। फुलवारी शरीफ कब्रिस्तान को लेकर कई लोगों का यह भी मानना है कि रात के समय सफेद कपड़ों में कुछ व्यक्ति कब्रिस्तान के आसपास घूमते रहते हैं। इसलिए यहां सूरज ढलते ही कोई भी जाने की हिम्मत नहीं करता है।

मनेर फोर्ट

पटना शहर से लगभग 24 किमी की दूरी पर मौजूद मनेर फोर्ट एक प्राचीन किला है। किंवदंती है कि फोर्ट में एक सूफी संत का भूत छिपा हुआ है, जिसके कारण स्थानीय लोगों को रात के समय अजीब-अजीब दृश्य देखने को मिलते हैं। कई लोगों का मानना है कि यहां रात के समय डरावनी आवाजें सुनाई देती हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जिस सूफी संत के बारे में लोग जिक्र करते हैं उसका नाम मखदूम दौलत था। मखदूम दौलत की मौत मनेर फोर्ट में ही हुई थी। इस घटना के बाद फोर्ट में घूमने के लिए कोई नहीं जाता था। अब इस फोर्ट का कुछ हिस्सा खंडहर बन चुका है।

आनंदपुरी कब्रिस्तान

पटना शहर में मौजूद आनंदपुरी कब्रिस्तान भी एक डरावनी जगह है। इस कब्रिस्तान के बारे में कहा जाता है कि यहां दफनाए गए लोगों की आत्माएं भटकती रहती हैं। रात के समय कब्रिस्तान से रोने और चिल्लाने की आवाजे आती रहती हैं। इस डर की वजह से सूरज ढलते ही कोई भी आनंदपुरी कब्रिस्तान के आसपास भटने की हिम्मत नहीं करता है।

पटना-औरंगाबाद रोड

पटना-औरंगाबाद रोड उन चुनिंदा डरावनी जगहों में शामिल है, जहां से रात के समय कोई भी अकेले सफर नहीं करना चाहता है। कई लोगों का मानना है कि रात के समय जब कोई अकले इस रोड से गुजरता है, तो कुछ महिला सफेद कपड़ा पहने लिफ्ट मांगती है। पटना-औरंगाबाद रोड पर रात के समय कई आकस्मिक घटनाएं देखी जा चुकी हैं।

ट्रेन में सफर के दौरान भूलकर भी ना करें ये गलती, हो सकता है जुर्माना

ट्रेन का सफर काफी रोमांचक होता है। हालांकि, सफर के दौरान कुछ गलतियों की वजह से आपको भारी नुकसान हो सकता है। रेलवे के कुछ अपने नियम हैं, ऐसे में अगर कोई व्यक्ति इन नियमों का उल्लंघन करता है तो उसे भारी जुर्मादा देना पड़ सकता है। आज भी बहुत से लोग ऐसे हैं जो बिना ट्रेन टिकट के यात्रा करते हैं।

बिना टिकट ट्रैवल : ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करना एक कॉमन अपराध है। ज्यादातर लोग जिनके साथ बच्चे होते हैं वह अपना टिकट तो लेते हैं लेकिन बच्चों के टिकट लेना अवॉइड कर देते हैं। अगर आप 5 साल से छोटे बच्चों के साथ ट्रेन में सफर कर रहे हैं तो इसके लिए आपको अपने बच्चे का टिकट लेने की जरूरत नहीं है, हालांकि इससे बड़े बच्चों का टिकट लगता है। अगर आपके पास टिकट नहीं है होती है और आप जुर्माना भरने से मना करते हैं तो आपको आरपीएफ के पास सौंप दिया जाता है। फिर अधिनियम धारा के तहत मामला दर्ज होता है और फिर जुर्माना देना होता है। हालांकि, अगर फिर भी जुर्माना न भरा जाए तो व्यक्ति को जेल भी हो सकती है।

ट्रेन में स्मोकिंग : ट्रेन के डिब्बे में सभी जगह स्मोकिंग ना करने के बारे में लिखा रहता है, लेकिन फिर भी कुछ लोग इस नियम को नहीं मानते हैं। अगर आप इस हरकत को करते हुए पकड़े जाते हैं तो आपको 200 रुपये का जुर्माना हो सकता है।

ट्रेन की चेन खींचना : अगर कोई व्यक्ति ट्रेन से नीचे उतरता है और इतनी देर में ट्रेन चलने लगती है तो उसका साथी चेन खींच सकता है, इससे ट्रेन तुरंत रुक जाती है। जिसके वजह से जुर्माना देना पड़ सकता है।

हाफ टिकट : 5 से 12 साल के बच्चों का हाफ टिकट लगता है। लेकिन कुछ लोग इससे ज्यादा उम्र के होने बावजूद हाफ टिकट पर यात्रा करते हैं। इस हरकत पर भी आपको जुर्माना भरना पड़ सकता है।

गुरुग्राम के पास ये खूबसूरत मंदिर हैं खूब फेमस, एक बार कर आएं दर्शन

दिल्ली-एनसीआर का गुरुग्राम एक ऐसी जगह है जहां पर बड़ी कम्पनियों, मॉल और कैफे के अलावा कई पुराने और फेमस मंदिर हैं। इन मंदिरों में दर्शन के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। इन मंदिरों को लेकर सभी की अलग-अलग मान्यताएं हैं।

सीता राम मंदिर : गुड़गांव के अशोक विहार क्षेत्र में स्थित, सीता राम मंदिर गुड़गांव के सबसे खूबसूरत मंदिरों में से एक है। यह मंदिर सुबह 5 बजे से 12 बजे और शाम 4 बजे से 9 बजे तक खुला रहता है। दिन के समय में ये मंदिर बंद रहता है।

इस्कॉन टेम्पल : इस्कॉन भगवान कृष्ण को समर्पित एक मंदिर है। गुरुग्राम का ये मंदिर पूरी तरह से खूबसूरती से बनाया गया है। यहां का मुख्य आकर्षण राधा माधव की मूर्ति है, जो हिंदू पौराणिक कथाओं में प्रेम का शाश्वत प्रतीक है। मंदिर सुबह 4:30 से शाम 8:30 बजे तक खुला रहता है।

साईं का आंगन मंदिर : उत्तर भारत के सबसे फेमस साईं बाबा मंदिरों में से एक है। इसके हरे-भरे लॉन से लेकर परिसर में लगे नीम के पेड़ तक, मन शांत करने के लिए ये जगह बेस्ट है। मंदिर सुशांत लोक फेज 1 गुरुग्राम में है।

शीतला माता मंदिर

हिंदू देवी, शीतला मां को समर्पित, यह मंदिर गुरुग्राम के फेमस मंदिरों में से एक है। भक्तों का मानना है कि अगर उनकी पूजा आस्था के साथ की जाए तो पीड़ित को बीमारी से छुटकारा मिल जाता है। इसके अलावा माता-पिता अपने बच्चे के मुंडन समारोह के लिए भी मंदिर जाते हैं।

मानसून के मौसम में केरल में इन चीजों का उठाएं लुत्फ

केरल एक ऐसी जगह है, जहां पर हर कोई घूमना बेहद पसंद करता है। इस जगह की खूबसूरती का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि केरल को भगवान का अपना देश कहा जाता है। यूं तो इस राज्य में आप कभी भी घूमने के लिए जा सकते हैं। लेकिन मानसून में इस स्थान की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि बारिश के सीजन में यह जगह और भी हरी-भरी हो जाती है। साथ ही, यहां के खूबसूरत झरनों को देखने का अपना एक अलग ही आनंद है। यह केरल में बिताने के लिए एक अद्भुत समय है।

पॉपुलर हिल स्टेशन पर जाएं

मानसून के मौसम में केरल के हिल स्टेशन में घूमना अच्छा विचार है। इस मौसम में हिल स्टेशन की खूबसूरती बस देखते ही बनती है। यहां तक कि हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता मन मोह लेती हैं। अगर आप मानसून में केरल जा रहे हैं तो आप मुन्नार, थेकड्डी, मालमपुझा आदि जगहों पर जाने की प्लॉनिंग कर सकते हैं।

वॉटरफॉल के करीब बिताएं समय

मानसून के मौसम में केरल में स्थित वॉटरफॉल (भारत के सबसे खूबसूरत वॉटरफॉल) के करीब समय बिताने से बेहतर और क्या हो सकता है। यहां पर ऐसे कई वॉटरफॉल हैं, जिनकी खूबसूरती मानसून के मौसम में कई गुना बढ़ जाती है। आपको शायद पता ना हो, लेकिन त्रिशूर से लगभग 47 किलोमीटर दूर स्थित अथिरापल्ली फॉल्स के करीब ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन अभिनीत फिल्म गुरु की शूटिंग की गई थी। इसके अलावा, आप केरल के कोझिकोड में अरिप्पारा वॉटरफॉल, वायनाड में चेथलायम वॉटरफॉल, इडुक्की में कीझारकुथु वॉटरफॉल आदि कई बेहतरीन जगहों पर जा सकते हैं और अच्छा वक्त बिता सकते हैं।

बैकवाटर को करें एक्सपीरियंस

केरल के फेमस बैकवाटर को एक्सप्लोर करने के लिए मानसून से बेहतर शायद ही कोई दूसरा समय हो। आप एलेप्पी या कुमारकोम से हाउसबोट की सवारी करें। इस दौरान आप ग्रामीण इलाकों से लेकर नारियल के पेड़ों को देख सकते हैं। बैकवाटर में हाउसबोट से सवारी करते हुए आपको यकीनन बेहद आनंद आने वाला है।

आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट को करें एन्जॉय

यूं तो आप केरल में कभी भी आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट ले सकते हैं। लेकिन मानसून के सीजन में यहां पर इसे एक्सपीरियंस करना काफी अच्छा माना जाता है। दरअसल, इस सीजन में हवा में नमी का स्तर बढ़ जाता है, जो इसे आयुर्वेदिक उपचारों के लिए आदर्श समय बनाता है। इस दौरान आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट से आपको अपने शरीर में अधिक बेहतर रिजल्ट मिलते हैं।

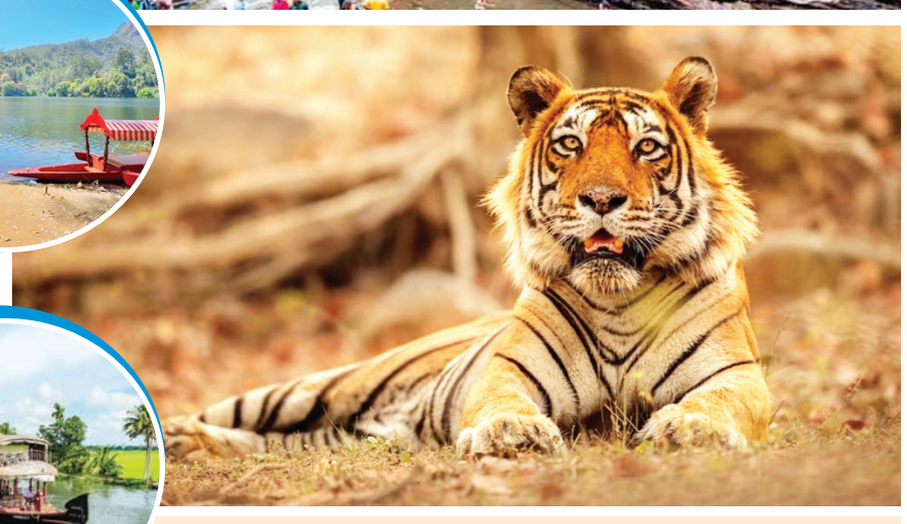

स्नेक बोट रेस को देखें

हम सभी ने कभी ना कभी टीवी में स्नेक बोट रेस अवश्य देखी है। यह केरल (केरल की खूबसूरत डेस्टिनेशन्स) की फेमस बोटर रेस होती हैं, जो विशेष तौर पर मानसून के महीने में ही होती है। अगर आप केरल के यूनिक कृचर को एक्सपीरियंस करना चाहती हैं और स्नेक बोट रेस को अपनी आंखों से देखना चाहती हैं तो ऐसे में मानसून के सीजन में यहां पर आना काफी अच्छा रहेगा। यह बोट रेस जून से लेकर सितंबर तक के महीनों में आयोजित की जाती हैं और केरल के कई अलग-अलग हिस्सों में होती है।

वाइल्डलाइफ को नेचुरल हैबिटेट में देखें

अरग आप प्रकृति के साथ-साथ वन्य जीव प्रेमी भी हैं तो मानसून में केरल घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। दरसअल, यहां पर कई नेशनल पार्क और वाइल्ड लाइट सैन्चुरीज हैं, जहां पर आप इस मौसम में वन्य जीवों को उनके नेचुरल हैबिटेट में देख सकते हैं। अगर आप खुशकिस्मत रहे तो आप वाइल्ड लाइफ सैन्चुरी में बंगाल टाइगर से लेकर नीलगिरि तहर और अन्य कई जानवरों को देख सकते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने बताया ये हैं भारत के सबसे देखे जाने वाले हिल स्टेशन

आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कितनी चर्चाओं में है। मतलब एआई की मदद से आप कुछ भी सर्च करें आपको झट से सारी जानकारी मिल जाएगी। फिर चाहे वो खाने को लेकर हो, किसी भी देश के बारे में हो या फिर किसी जगह के बारे में हो आपके हाथ में चंद मिनटों में सब कुछ आ जाएगा।

मनाली : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा बताई गए हिल स्टेशंस की अगर बात करें, तो इस लिस्ट में मनाली का नाम सबसे पहले आता है। हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों से घिरा ये हिल स्टेशन कुदरत की चीजों से भरा पड़ा है। मनाली एक ऐसी पहाड़ी जगह है, जहां बरसात, सर्दी-गर्मी या स्प्रिंग सीजन में कभी भी घूमने

के लिए जा सकते हैं। यहां युवाओं का ग्रुप सबसे ज्यादा आता है। यही नहीं, बर्फबारी में तो यहां लाखों की संख्या में सैलानी आते हैं। लेकिन मानसून के मौसम में हिमाचल के हालात अस्थिर हैं, अगर आप जाना चाहते हैं, तो माहौल ठीक होने के बाद इस जगह को अपनी लिस्ट में जोड़ सकते हैं।

दार्जिलिंग : नॉर्थ ईस्ट में किसी हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन की बात की जाए, तो दार्जिलिंग भी कुछ कम नहीं है। इसे भारत का स्विटविश्वजरलैंड भी कहते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुसार, दार्जिलिंग सबसे ज्यादा देखे जाने वाले हिल स्टेशनों में से एक है। ऊंचे-ऊंचे पहाड़, चाय के बागान, टाइगर हिल, रॉक गार्डन और फेमस मोनेस्ट्री की वजह से ये हिल स्टेशन दुनियाभर में फेमस है। यही नहीं, पहाड़ियों से गुजरने वाली टॉय ट्रेन तो आपने देखी ही नहीं, घूमने जाएं तो एक बार इसे भी जरूर ट्राय करें।

नैनीताल : उत्तराखंड की हसीन वादियों में स्थित नैनीताल भी किसी से कम नहीं है, ये हिल स्टेशन की खूबसूरती इस तरह मशहूर है कि यहां हर मौसम में सैलानी घूमने के लिए आते हैं। बरसात के दिनों में भी उनकी अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिलती है। नैनीताल की असीम खूबसूरती को देखने के साथ-साथ नैनी झील, नैना देवी मंदिर, केव गार्डन, स्नो व्यू पॉइंट जैसी कई जगहों को भी देख सकते हैं।

श्रीनगर : श्रीनगर को धरती का स्वर्ग कहते हैं, विश्व प्रसिद्ध जम्मू-कश्मीर की ये जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। ये देश की एक ऐसी जगह है, जहां जाने का सपना हर भारतीय देखता है। बर्फ से ढके पहाड़, प्रकृति से घिरी झीलें, हर किसी को दीवाना बना देती हैं। इसी लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने इस जगह को सबसे ज्यादा देखे जाने वाले हिल स्टेशनों में गिना है। श्रीनगर में आप वुलर झील, टविश्वयूलिप गार्डन, हरि पर्वत, परी महल जैसी जगहों को भी देख सकते हैं।

ऊटी : वैसे दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य में कई घूमने की और मनमोहक जगह मौजूद हैं, लेकिन ऊटी हमेशा से फेमस और हाई रेटेड जगह मानी जाती है। ऊटी की खूबसूरती इस तरह फेमस है कि इसे दक्षिण भारत में 'पहाड़ों की रानी' भी कहते हैं। ऊटी में पन्ना झील, बॉटनिकल गार्डन, डियर पार्क, डोड्डाबेट्टा चोटी जैसी जगह भी हैं।

कबाड़ से कला तक : मनीषा दुग्गड़ ने रचा नखरेवाली झुमकी का अनूठा संसार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जिन्हें आमतौर पर लोग बेकार समझकर फेंक देते हैं, उन्हीं पुराने कपड़ों के टुकड़ों, टूटे चार्म्स, बटन, धागों, मोतियों और धातु के छोटे हिस्सों में जयपुर की मनीषा दुग्गड़ ने रचनात्मकता की नई दुनिया तलाश ली। इसी सोच और प्रयोग से शुरू हुआ उनका सफर आज नखरेवाली झुमकी नाम से अपनी अलग पहचान बना चुका है। मशीनों से तैयार एक जैसे डिजाइनों के दौर में मनीषा हाथों से ऐसे आभूषण तैयार कर रही हैं, जिनमें भारतीय कला, आधुनिक फैशन और उनकी कल्पनाशक्ति का खूबसूरत संगम दिखाई देता है। झुमके, नेकपीस, ब्रोच और हेयर एक्सेसरीज सहित प्रत्येक आभूषण को हाथ से तैयार किया जाता है। यही वजह है कि उनकी हर रचना अपने आप में अलग और खास होती है। मनीषा ने घर में पड़े पुराने कपड़ों और अनुपयोगी सामान से छोटे-छोटे प्रयोग शुरू किए। अलग-अलग रंग, कपड़े, मोती और धातु के हिस्सों को जोड़कर उन्होंने नए आभूषण तैयार किए। धीरे-धीरे यह प्रयोग उनके जुनून में बदल गया और इसी से नखरेवाली झुमकी की शुरुआत हुई। उनकी ज्वेलरी की सबसे बड़ी विशेषता पूरी तरह हस्तनिर्मित होना है। प्रत्येक डिजाइन को तैयार करने में कई घंटे लगते हैं और इसमें बारीक कारीगरी के साथ रचनात्मक सोच भी शामिल होती है। मनीषा की रचनाओं में राजस्थान की लोककला, फैब्रिक आर्ट, ऑक्सीडाइज्ड धातु, मोती-कढ़ाई और पुराने सामान के पुनरू उपयोग की झलक दिखाई देती है। पारंपरिक भारतीय शिल्प को आधुनिक फैशन के साथ जोड़कर वे ऐसे आभूषण तैयार करती हैं, जो पहनने वाले के व्यक्तित्व को खास अंदाज देते हैं। उनका मानना है कि फैशन केवल बदलते चलन का हिस्सा नहीं, बल्कि व्यक्तित्व और भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम भी है। मनीषा सतत फैशन की अवधारणा को भी अपने काम से बढ़ावा दे रही हैं। पुराने कपड़ों और स्क्रैप सामग्री को नया रूप देकर वे न केवल अनूठी ज्वेलरी तैयार करती हैं, बल्कि पुनर्चक्रण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रही हैं। मनीषा का कहना है, हर बेकार चीज में एक नई शुरुआत छिपी होती है, बस उसे देखने वाली नजर चाहिए। नखरेवाली झुमकी की कहानी इस बात की मिसाल है कि कल्पनाशक्ति और मेहनत से सामान्य समझी जाने वाली चीजों को भी खास बनाया जा सकता है। यह पहल हस्तकला, रचनात्मकता और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील सोच को एक साथ आगे बढ़ाने का प्रयास है।

हथियार के दम पर सटोरियों और व्यापारियों से अवैध वसूली करने वाला बदमाश गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। झोटवाड़ा थाना पुलिस ने हथियार के दम पर सटोरियों और व्यापारियों को डराकर अवैध वसूली करने वाले एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी के कब्जे से एक अवैध देसी पिस्टल बरामद की। आरोपी पूर्व में हुए अजय यादव हत्याकांड में भी जेल जा चुका है और करीब दो साल तक जेल में रहा था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि हथियार के दम पर सटोरियों और व्यापारियों को डराकर अवैध वसूली के मामले में झोटवाड़ा थाना पुलिस ने आशीष सिंह उर्फअक्षय सिंह 31 निवासी जोबनेर जयपुर ग्रामीण हाल झोटवाड़ा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी आशीष सिंह की पिछले काफी समय से एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एजीटीएफ की टीम तलाश कर रही थी। एजीटीएफके हेड कांस्टेबल होशियार सिंह को आरोपी के संबंध में सटीक सूचना मिली। इसके बाद झोटवाड़ा थाना पुलिस ने शुक्रवार रात दबिश देकर हथियारबंद आशीष उर्फ अक्षय को पकड़ लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आशीष सिंह अजय यादव हत्याकांड में आरोपी रहा है और करीब दो साल जेल में बंद रहा। जेल में रहने के दौरान उसकी पहचान कई अपराधियों और बदमाशों से हुई। जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह सट्टा लाइन में सक्रिय हो गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने सटोरियों को डराने-धमकाने के बाद उनसे अवैध वसूली शुरू कर दी। इतना ही नहीं, जेल में बने अपने आपराधिक संपर्कों का इस्तेमाल कर वह अपने साथियों से फोन करवाकर सटोरियों और व्यापारियों को धमकियां भी दिलवाता था। इसके जरिए वह बड़ी रकम वसूलने की फिराक में था। पुलिस पूछताछ में यह भी सामने आया कि अवैध वसूली के लिए धमकाने और डर का माहौल बनाने के उद्देश्य से आरोपी ने झालाना डूंगरी निवासी मोहित से 40 हजार रुपए में देसी पिस्टल खरीदी थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से यही अवैध पिस्टल बरामद की है। पुलिस अब आरोपी से उसके आपराधिक संपर्कों, वसूली की वारदातों, धमकियों और हथियार के स्रोत के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस को पूछताछ में अवैध वसूली से जुड़े अन्य मामलों और उसके साथियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की उम्मीद है।

नन्हे-मुन्नें बच्चों ने निकाली कांवड़ यात्रा, भोले-पार्वती की झांकी ने मनमोहा

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। श्रावण मास के पावन अवसर पर शनिवार को धार्मिक आस्था और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। ए-वन एजूकेशन एकेडमी श्रीमाधोपुर के परिसर से नन्हे-मुन्ने बच्चों ने कांवड़ यात्रा निकाली। निदेशक अनिल कुमार मारवाल तथा सपना मारवाल के नेतृत्व में निकली यात्रा में सैंकड़ों बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। बच्चों के हाथों में सजी कांवड़ और जुबां पर भगवान भोलेनाथ के जयकारों से पूरा मार्ग शिवमय नजर आया। कांवड़ यात्रा में भगवान शिव और माता पार्वती की आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। डीजे की धार्मिक धुनों पर बच्चे भक्ति में झूमते हुए बावड़ी आश्रम की ओर बढ़े। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाया। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर कांवड़ यात्रियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

यात्रा बावड़ी आश्रम पहुंचने के बाद बच्चों ने भगवान शिव का विधि-विधान से जलाभिषेक किया और सुख-समृद्धि की कामना की। बच्चों में धार्मिक संस्कार और भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस यात्रा को लेकर उनमें खासा उत्साह दिखाई दिया। आयोजकों ने बताया कि श्रावण मास में बच्चों को धर्म, संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के लिए कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया।

आत्मरक्षा से साइबर सुरक्षा तक

छात्राओं को जागरूक कर रही जयपुर पुलिस

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से शहरभर में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। महानिदेशक/महानिरीक्षक पुलिस सम्मेलन-2024 की सिफारिशों के तहत शनिवार को जयपुर पूर्व, दक्षिण और उत्तर जिले में विशेष अभियान चलाकर छात्राओं और महिलाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, हेल्पलाइन और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। जयपुर पूर्व जिले में शहीद अभय पारीक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें 350 से अधिक छात्राओं ने भाग लिया। छात्राओं को महिला सुरक्षा और साइबर हेल्पलाइन के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी गई। सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल, ऑनलाइन ठगी से बचाव और साइबर अपराध होने पर तत्काल पुलिस से संपर्क करने के तरीके समझाए गए। बालिकाओं को विषम परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा करने के लिए व्यावहारिक आत्मरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया गया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त महिला अनुसंधान इकाई राजेश कुमार शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त साइबर अनुसंधान इकाई प्रियंका वैष्णव, महिला थाना थानाधिकारी मंजू चौधरी, कलिका पेट्रोलिंग यूनिट और एनजीओ के सदस्य मौजूद रहे। जयपुर दक्षिण जिले में पुलिस उपायुक्त राजर्षि राज के निर्देश पर ज्योति नगर थाना क्षेत्र स्थित रावलजी का बाग, अम्बेडकर नगर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त एसआईयूसीएडब्ल्यू जिज्ञासा और ज्योति नगर थानाधिकारी गुंजन सोनी सहित पुलिसकर्मियों ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को महिला सुरक्षा एवं साइबर हेल्पलाइन के बारे में जानकारी दी। विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से सतर्क रहने और किसी भी घटना की तत्काल सूचना पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। जयपुर उत्तर जिले के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में जलमहल की पाल पर विशाल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें करीब 1500 महिला एवं बालिकाओं ने भाग लिया। पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त एसआईयूसीएडब्ल्यू सुरेन्द्र सिंह, आमेर एसीपी सुरेन्द्र सिंह राणावत और ब्रह्मपुरी थानाधिकारी हेमन्त सिंह की मौजूदगी में सुरक्षा सखी, छात्राओं और सीएलजी सदस्यों से संवाद किया गया। इस दौरान महिला गरिमा हेल्पलाइन 1090, साइबर हेल्पलाइन 1930, राजकॉप ऐप और साइबर सुरक्षा के डूज एंड डोन्ट्स की जानकारी दी गई। साथ ही कलिका पेट्रोलिंग यूनिट, महिला शक्ति आत्मरक्षा प्रशिक्षण, महिला बीट अधिकारी योजना, वरिष्ठ जन संबल योजना तथा नवीन न्याय संहिता के तहत महिला अपराधों में दंड के प्रावधानों के बारे में भी विस्तार से बताया गया। पुलिस प्रशासन के अनुसार अभियान का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच संवाद एवं विश्वास को मजबूत करना तथा महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनाना है।

पुलिस अधिकारियों ने आमजन से साइबर अपराध के मामलों में तत्काल 1930 पर सूचना देने और महिला संबंधी किसी भी समस्या में उपलब्ध पुलिस सहायता का उपयोग करने की अपील की।

जेल में निषिद्ध सामग्री के इस्तेमाल के आरोप में कारापाल निलंबित

जयपुर (नवयत्न)। केंद्रीय कारागृह अजमेर में पदस्थापित कारापाल सद्दाम हुसैन को बंदियों के साथ निषिद्ध सामग्री के उपयोग और कारागृह के बाहर के व्यक्तियों से संपर्क रखने के आरोपों के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। महानिदेशक कारागार राजस्थान अशोक राठौड़ ने राजस्थान सिविल सेवाएं नियम, 1958 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निलंबन आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार कारापाल सद्दाम हुसैन के खिलाफ लगाए गए आरोपों के संबंध में विभागीय जांच प्रस्तावित है। जांच को किसी तरह प्रभावित न किया जा सके, इसके मद्देनजर निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय केंद्रीय कारागृह, श्रीगंगानगर निर्धारित किया गया है। प्रकरण में आगे की कार्रवाई के तहत केंद्रीय कारागृह अजमेर में निरुद्ध बंदी सैयद तौसीफ चिश्ती को केंद्रीय कारागृह भरतपुर स्थानांतरित किया गया है। बंदी के स्थानांतरण को भी मामले की जांच से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं पूरे प्रकरण के संबंध में पुलिस थाना सिविल लाइन्स, अजमेर में एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

फर्जी गेमिंग कॉल सेंटर का भंडाफोड़ पांच ठगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जयपुर (नवयत्न)। शिप्रापथ थाना पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने भांकरोटा इलाके में संचालित हो रहे एक फर्जी गेमिंग कॉल सेंटर का पर्दाफाश करते हुए 5 शातिर साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया गिरोह देशभर के लोगों को निशाना बनाकर 1 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी को अंजाम दे चुका है। डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने बताया कि साइबर हेल्पलाइन 1930 पोर्टल पर मिली शिकायतों और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर पुलिस ने इस पूरे नेटवर्क को क्रैक किया। संदिग्ध नंबरों की कॉल डिटेल, बैंक ट्रांजेक्शन और सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस टीम ने भांकरोटा स्थित कृष्णा सनराइज अपार्टमेंट में फ्लैट नंबर-205 पर छापेमारी कर रमेश कुमार 25, निवासी सेड़वा, बाड़मेर, नैनाराम 35, निवासी जोधपुर, कृष्ण कुमार 24, निवासी धोरीमन्ना, बालोतरा, पप्पूराम 25, निवासी सेड़वा, बाड़मेर, प्रवीण कुमार 21, धोरीमन्ना, बालोतरा निवासी को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ 1930 पोर्टल पर देश के अलग-अलग राज्यों से 8 शिकायतें दर्ज हैं। एक पीड़ित से ही 2.50 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया था। जब पुलिस ने आरोपियों के बैंक खातों की पड़ताल कीए तो उनमें 1 करोड़ रुपये से अधिक का संदिग्ध लेन-देन उजागर हुआ। राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार प्रदेश भर में 20 जुलाई से 20 अगस्त तक चलाए जा रहे विशेष अभियान साइबर शील्ड के तहत यह कार्रवाई की गई। साइबर सेल के कॉन्स्टेबल प्रभास कानी और सवाई सिंह की सटीक सूचना पर विशेष टीम ने इस फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया। शिप्रापथ थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा और आईटी एक्ट की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस द्वारा जब्त लैपटॉप, मोबाइल और अन्य डिजिटल डिवाइसों की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि रिमांड के दौरान पूछताछ में देशभर में फैले नेटवर्क और बड़े लेन.देन से जुड़े कई अन्य अहम खुलासे हो सकते हैं।

भगवान महादेव का तिल के तेल से अभिषेक व उड़द से सहस्रार्चन किया

नोखा (नवयत्न)। यहां तहसील परिसर स्थित अर्केश्वर महादेव मंदिर में अर्केश्वर महादेव परिवार के सदस्यों द्वारा श्रावण माह में मंदिर व्यवस्थापक लालचन्द उपाध्याय के सानिध्य एवं दो विद्वान पंडितों बलराम कठातला, मधुसुदन कठातला द्वारा मंत्रोच्चार के साथ विधिविधान से मंदिर टीम के दिनेश सिंह राजपुरोहित की अगुवाई में करवाई जा रही भगवान महादेव की विशेष श्रावणी पूजा के 11 वें दिन शनिवार 8 अगस्त को भगवान महादेव के तिल के तेल से अभिषेक व उड़द से सहस्रार्चन किया गया। भगवान महादेव की पूजा करने वालों में मोहित जोशी, ओमप्रकाश राठी, ओमप्रकाश पुरोहित, नवरतन सोनी, राधे सोनी, प्रवीण भूरा, हिमेश सुथार, महेश पंचारिया, नवीन पंचारिया, राजवीर सिंह, राजू पनवाड़ी, गोपाल मालानी, जयकरण चारण, विजय मारू, अनिल पारीक, आनंद दैया, घनश्याम छीपा, उमेश राठी, ब्रह्मप्रकाश तंवर सहित टीम के सभी सदस्य शामिल थे।

महिला सुरक्षा संकल्प अभियान में बालिकाओं ने लिया भाग

निसं

जयपुर (नवयत्न)। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में शनिवार को महिला सुरक्षा संकल्प अभियान के तहत जलमहल की पाल पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह 11:30 बजे आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, क्षेत्रीय स्कूल की बालिकाओं और सीएलजी सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, ब्रह्मपुरी थानाधिकारी हेमंत जनागल सहित थाने का पुलिस स्टाफ मौजूद रहा। ब्रह्मपुरी थानाधिकारी हेमंत जनागल ने कहा कि महिला सुरक्षा संकल्प अभियान का उद्देश्य समाज में जागरूकता, सम्मान और आत्मरक्षा की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि आत्मविश्वास ही सबसे बड़ी सुरक्षा है और आत्मरक्षा सबसे बड़ी शक्ति। सभी को मिलकर महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण का संकल्प लेना चाहिए। सुरक्षित समाज ही देश की वास्तविक तरक्की की पहचान है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय स्कूल की बालिकाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अलावा सीएलजी सदस्यों ने अनुशासन के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर जागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सीएलजी सदस्य राजेश वर्मा, गिरधारीलाल शर्मा, दिनेश गुप्ता, समाजसेवी दौलत त्रिलोकानी, दीपक गोयल, मनीष पारीक, आरिफ भाई, अफजल भाई, संतोष गुप्ता, निर्मल दत्ता, भावना सैनी, सत्येंद्र अग्रवाल, उस्मान भाई और शाहरुख खान सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

सामाजिक न्याय प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी और जिलाध्यक्षों की बैठक का आयोजित

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नवगठित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी और जिलाध्यक्षों की संयुक्त बैठक शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, जयपुर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम स्वामी ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली मौजूद रहे। जूली ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में सक्रिय रूप से शामिल किया जाए।

उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारियों में जुटने पर जोर दिया। बैठक में संगठन के विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और चुनावी तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस महासचिव संगठन ललित तूनवाल, वार रूम चेयरमैन एवं महासचिव जसवंत गुर्जर और प्रदेश महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी सहित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य और विभिन्न जिलों के जिलाध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक के बाद भारत छोड़ो आंदोलन स्मृति दिवस के अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से शहीद स्मारक तक शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकाला। शहीद स्मारक पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं और नेताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम स्वामी ने कहा कि नवगठित टीम सामाजिक न्याय, समानता और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि संगठन को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे। साथ ही सामाजिक रूप से वंचित वर्गों की आवाज को संगठन के माध्यम से मजबूती से उठाया जाएगा।

बारिश के बीच रेलवे स्टेशन परिसर में लगाए 80 छायादार व फलदार पौधे

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार सुबह बिसाऊ रेलवे स्टेशन परिसर में पौधरोपण अभियान चलाया गया। बारिश के दौरान स्टेशन अधीक्षक राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में 80 छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। पर्यावरण प्रेमी जयप्रकाश स्वामी ने बताया कि अभियान के दौरान जामुन, नीम, पीपली, लेसवा, बिल, कनेर सहित विभिन्न प्रजातियों के फलदार, फूलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। पौधों की देखभाल और संरक्षण का भी संकल्प लिया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में स्टेशन मास्टर विकास मीणा, रामजीलाल, मोहनलाल, प्रकाश भाटी, एडवोकेट भुनेश्वर शर्मा, यशवंत लाल, मोहन, संजय, महेश, राजेंद्र, ललित जांगिड़, पवन, नंदू सिंह, विजेंद्र स्वामी और ललित शर्मा सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया।

कल करेंगे शिव का जलाभिषेक

श्रीमाधोपुर।

गणेश्वर धाम से जोबनेर जाते समय श्रीमाधोपुर पहुंचे कावड़ियों का स्वागत किया गया। पंडित राजेश शर्मा ढाणी वाला ने बताया कि कावड़िया विश्राम स्थल जलदाय विभाग शिव मंदिर के पास दूर-दराज से आए हुए कावड़ियों का भव्य स्वागत व सत्कार किया जाता है, वहीं उनको भोजन, नाश्ता, चाय-पानी आदि की पूरी व्यवस्था नि:शुल्क की जाती है। अणतपुरा कावड़िया दीनदयाल कुमावत ने बताया कि गणेश्वर धाम से 5 अगस्त को कावड लेकर रवाना हुए थे जो 9 अगस्त को जोबनेर पहुंचेंगे व 10 अगस्त सोमवार को शिव भोले का जलाभिषेक किया जाएगा। कुमावत ने बताया कि हम परिवार के करीब दर्जन भर सदस्य 17वीं वार कावड़ लेकर आए हैं, जहां हमारा श्रीमाधोपुर इच्छापूर्ण बालाजी स्टेशन रोड पर राजू नाई व महेंद्र खडोलिया द्वारा भव्य स्वागत कर जलपान करवाया गया। वहीं जलदाय विभाग शिव कावड़िया संघ भक्तों द्वारा अल्पाहार भोजन आदि की पूरी व्यवस्था की गई जिनका हम आभार प्रकट करते हैं। हम गणेश्वर धाम के पवित्र जल से जोबनेर के अणतपुरा शिव भोले का जलाभिषेक करेंगे। कावड़िया संघ के अध्यक्ष सीताराम सैनी ने बताया कि भगवान सहाय सैनी, दीपक स्वामी, छोटू राम सैनी, अर्पित ठठेरा, दीपक गोकुलका, संजय अग्रवाल, रामस्वरूप सैनी, बंशीधर गुरुजी, रवि शर्मा, गिरीश मिश्रा, जेपी झाला आदि कार्यकर्ताओं ने करीब 30 सालों से यह नि:शुल्क सेवा दे रहे है। कावड़िया संघ के राजेश शर्मा ने बताया कि आए हुए कावड़ियों को नि:शुल्क भोजन, नाश्ता, जलपान आदि की सेवा देते आ रहे हैं । शर्मा ने बताया कि इसमें कई तरह की सामग्रियां कई भामाशाहों व जन सहयोग से भी की जा रही है।

दिव्यांग कोटे की नौकरी के लिए भाई बना डमी

निसं

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर में दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर ग्राम विकास अधिकारी की सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए कथित तौर पर फर्जीवाड़ा करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मेडिकल जांच के दौरान अभ्यर्थी ने अपनी जगह अपने हमशक्ल दिव्यांग भाई को मेडिकल बोर्ड के सामने पेश कर दिया। दोनों भाइयों की शक्ल-कद काठी काफी मिलती-जुलती बताई जा रही है। मामले में सवाई मानसिंह अस्पताल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसएमएस थाना पुलिस के एसआई सूरजमल ने बताया कि सीकर एससी/एसटी सेल के हेड कांस्टेबल गणपत सिंह की ओर से मामला दर्ज कराया गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप एसओजी को फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने संबंधी शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में इसकी जांच की गई। जांच के दौरान सामने आया कि झुंझुनू के खेतड़ी निवासी शेर सिंह ने दिव्यांग कोटे से ग्राम विकास अधिकारी की नौकरी हासिल की है। शेर सिंह का हाल ही में मोकलवास तबादला हुआ था और उसने दो दिन पहले ही वहां ज्वाइन किया था। ऐसे में वहां के अधिकांश कर्मचारी उसे पहचानते नहीं थे। इससे पहले सीकर में उसकी बायोमेट्रिक जांच हो चुकी थी, जिसमें शेर सिंह खुद मौजूद हुआ था। पुलिस के अनुसार 3 अगस्त को मेडिकल जांच के लिए शेर सिंह की जगह उसका भाई हवा सिंह पहुंचा। दोनों भाइयों की शक्ल और कद काठी एक जैसी बताई जा रही है। दोनों के दाहिने पैर में दिव्यांगता है। सिर पर बाल भी कम हैं, और दोनों एक ही तरह की टोपी पहनते हैं। आरोप है कि हवा सिंह मेडिकल जांच के दौरान वही कपड़े पहनकर पहुंचाए जो शेर सिंह ने बायोमेट्रिक जांच के दौरान पहने थे। हालांकि मेडिकल बोर्ड के दिन ज्वाइनिंग कराने वाले रामानुज को उसे देखकर संदेह हुआ। संदेह होने पर उप अधीक्षक नरेश कुमार और पुलिसकर्मी गणपत सिंह ने उससे नौकरी और कामकाज से जुड़े सवाल किए। पूछताछ में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इसके बाद जांच में सामने आया कि मेडिकल कराने वाला व्यक्ति शेर सिंह नहीं, बल्कि उसका भाई हवा सिंह है। मामला सामने आने के बाद सवाई मानसिंह अस्पताल थाना पुलिस में मेडिकल जांच के दौरान फर्जी अभ्यर्थी को पेश करने का मामला दर्ज कराया गया। पुलिस अब दिव्यांग प्रमाण पत्र, मेडिकल रिकॉर्ड, बायोमेट्रिक जांच और नौकरी से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि कथित फर्जीवाड़े में और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

46 दिवसीय दिव्य चातुर्मास ज्ञान यज्ञ एवं सत्संग समारोह शुरू

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। दांतारामगढ़ क्षेत्र के सुरेरा स्थित श्रीराम राय बाबा की डूंगरी दादूपंथी आश्रम में शनिवार से 46 दिवसीय श्री दिव्य चातुर्मास ज्ञान यज्ञ एवं सत्संग समारोह का शुभारंभ हुआ। समारोह 8 अगस्त से 22 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। आयोजन के शुभारंभ अवसर पर गांव के शिव मंदिर से गाजे-बाजे के साथ भव्य कलश एवं शोभायात्रा निकाली गई, इधर कुड़ियों का बास ठाकुरजी मन्दिर से गाजे बाजे के साथ ही कलशयात्रा लेकर श्रीरामराय बाबा की डूंगरी पहुँची। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कलशयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने श्रीराम राय बाबा के पगल्या पर चरण धोककर पूजा-अर्चना की। इसके बाद धार्मिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। आयोजन के दौरान प्रतिदिन दोपहर सवा 1 बजे से शाम सवा 4 बजे तक दादूवाणी एवं भक्तमाल की संगीतमय कथा, संत समागम, सत्संग तथा लोककल्याणार्थ धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन समिति के अनुसार व्यासपीठ से फलाहारी संत दयालदास महाराज अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुओं को दादूवाणी एवं भक्तिमय प्रवचनों का रसपान कराएंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार सुबह सवा 10 बजे श्री दादूवाणी जी की भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा के साथ हुआ। चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन प्रात: 4:21 बजे प्रभात फेरी, सुबह सवा 8 बजे मंगलाचरण तथा शाम सवा 7 बजे संध्या आरती का आयोजन किया जाएगा। समारोह का समापन 22 सितंबर को रात सवा 8 बजे भव्य सत्संग समारोह के साथ होगा। वहीं 23 सितंबर को सुबह सवा 10 बजे दिव्य महाआरती एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। श्रीरामराय बाबा की डूंगरी के महंत ओमप्रकाशदास महाराज ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमियों से परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल होकर सत्संग का लाभ लेने और पुण्य अर्जित करने की अपील की है।

आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में कम्प्यूटर ऑपरेटर लगाने की मांग

निसं

नोखा (नवयत्न)। नोखा एवं आसपास के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम के तहत एकीकृत स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन पर्ची प्रविष्टि हेतु कंप्यूटर एवं कंप्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था करवाने के संबंध में एक पत्र निदेशक आयुर्वेद विभाग अजमेर को लिखा। पेंशनर समाज के इंद्रचंद मोदी ने बताया की राजस्थान सरकार आरजीएचस योजना के अंतर्गत नि:शुल्क औषधियाँ प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन पर्ची प्रविष्टि को अनिवार्य कर दिया गया है। परन्तु नोखा तहसील एवं इसके आसपास स्थित राजकीय आयुर्वेदिक औषधालयोंचिकित्सालयों में ऑनलाइन पर्ची जनरेट करने/प्रविष्टि करने की कोई तकनीकी सुविधा उपलब्ध नहीं है। यहाँ ब्लॉक स्तर पर न तो कंप्यूटर उपलब्ध हैं और न ही कंप्यूटर ऑपरेटर की पदस्थापना की गई है। इस असुविधा के कारण राजस्थान सरकार के कार्मिकों एवं पेंशनर्स को मजबूरन बाजार से महंगे दामों पर दवाइयाँ खरीदनी पड़ रही हैं, जिससे आरजीएचएस योजना के तहत मिलने वाली नि:शुल्क दवा सुविधा का लाभ उन्हें प्राप्त नहीं हो पा रहा है। नोखा क्षेत्र के राजकीय आयुर्वेदिक औषधालयों में शीघ्र अति शीघ्र कंप्यूटर मय प्रिंटर की व्यवस्था करवाने एवं कंप्यूटर ऑपरेटर नियुक्त/नामित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करने की कृपा करें, ताकि समस्त राज्य कार्मिकों एवं पेंशनर्स को समय पर नि:शुल्क औषधियाँ प्राप्त हो सकें।

विश्व स्तनपान सप्ताह : इंटर-स्टाफपोस्टर प्रतियोगिता और विशेषज्ञों की पैनल चर्चा से दिया स्तनपान का संदेश

निसं

जयपुर (नवयत्न)। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सप्ताहभर विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन नियोनेटोलॉजी विभाग के कंसल्टेंट डॉ श्याम सुंदर शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत इंटर-स्टाफ पोस्टर प्रतियोगिता से हुई। इसमें अस्पताल के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने स्तनपान के महत्व, नवजात के पोषण और मातृ स्वास्थ्य से जुड़े संदेशों को रचनात्मक पोस्टर्स के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में सिमरन शर्मा ने प्रथम, श्वेता दिनेश ने द्वितीय और सोनूजा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को सम्मानित किया गया। 6 अगस्त को समापन समारोह में क्विज प्रतियोगिता और विशेषज्ञों की पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस दौरान प्रतिभागियों को गिफ्ट हैम्पर्स भी दिए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को स्तनपान से जुड़ी नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराने के साथ समाज में जागरूकता बढ़ाना रहा। पैनल चर्चा में डॉ शालू कक्कड़, डॉ स्मिता वैद, डॉ मनीला नैणावत, डॉ संजय चौधरी और डॉ ऋचा मित्तल ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने बताया कि जन्म के पहले एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना और जीवन के पहले छह माह तक शिशु को केवल मां का दूध देना उसके सर्वांगीण विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इससे शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और संक्रमण का खतरा कम होता है। साथ ही शारीरिक एवं मानसिक विकास में भी मदद मिलती है। डॉ श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि स्तनपान नवजात के लिए पहला और संपूर्ण आहार है। इसे बढ़ावा देना केवल चिकित्सकों की नहीं बल्कि परिवार और समाज की भी जिम्मेदारी है। ऐसी गतिविधियों के माध्यम से स्वास्थ्यकर्मियों को सशक्त बनाया जा रहा है ताकि वे हर नई मां को स्तनपान के संबंध में सही जानकारी और उचित मार्गदर्शन दे सकें।

साधो! सबद साधना कीजे कार्यक्रम में तीन पुस्तकों का विमोचन

निसं

जयपुर (नवयत्न)। शब्द ब्रह्म है और इसकी सत्ता हर जगह विद्यमान है। शब्द की साधना निरंतर होनी चाहिए और उसका उपयोग भी संयमित रूप से किया जाना चाहिए। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ शारदा कृष्ण ने साधो! सबद साधना कीजे कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शब्द साधना एक तरह का ज्ञान यज्ञ है और इस यज्ञ में स्वाध्याय ही सबसे बड़ा तप है। राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति के सभागार में आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में साहित्यकार अमरनाथ अमर और भीम प्रकाश शर्मा ने कहा कि दूरदर्शन और आकाशवाणी जैसे प्रसार माध्यमों ने साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन माध्यमों ने समाज में साहित्य के प्रति चेतना जाग्रत की। वरिष्ठ पत्रकार महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि साहित्य और पत्रकारिता में समय सीमा, संवेदनशीलता और अलंकृत भाषा का अंतर है। कार्यक्रम के दौरान पुस्तक विमोचन सत्र में लेफ्टिनेंट जनरल दलीप सिंह राठौड़ की प्रतिरोध, उषा राजश्री राठौड़ की सोनचिड़ी और डॉ इंदु झुनझुनवाला की भला शब्दों में क्या रखा है ? पुस्तकों का विमोचन किया गया। लेफ्टिनेंट जनरल दलीप सिंह राठौड़ ने अपनी पुस्तक प्रतिरोध के बारे में बताया कि इसमें औरंगज़ेब के समय स्वामीभक्त वीर दुर्गादास राठौड़ के नेतृत्व में राजपूतों, मराठों और सिखों के सफल प्रतिरोध का उल्लेख किया गया है। उषा राजश्री राठौड़ ने पर मरना मत सहित अन्य कविताओं का पाठ किया। वहीं डॉ इंदु झुनझुनवाला ने सुनील शास्त्री के साथ हुई अपनी बातचीत और महिला विमर्श को पुस्तक का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। कार्यक्रम में नाटक का मंचन और छंदमुक्त कविताओं का पाठ भी हुआ। इस अवसर पर व्यंग्यकार एवं नाटककार अशोक राही, विनोद जोशी, राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बोड़ा, कल्याण सिंह शेखावत, राव शिवपाल सिंह, फारुख आफरीदी सहित साहित्यकार और पत्रकार मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सुमन द्विवेदी ने किया।

ग्रासरूट मीडिया फाउंडेशन के प्रमोद शर्मा ने बताया कि रविवार सुबह भाषा में लालित्य तत्त्व सहित अन्य प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श होगा। कार्यक्रम का आयोजन अभ्युदय अंतर्राष्ट्रीय संस्था, राजस्थान फोरम और ग्रासरूट मीडिया फाउंडेशन ने राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति के सहयोग से किया।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को गणवेश वितरित

निसं

बीदासर (नवयत्न)। पीएमश्री श्रीमती धापू देवी चौरड़िया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोहनलाल भीकमचन्द्र चौरड़िया चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से जरूरतमंद छात्राओं के सहयोग के लिए विद्यालय गणवेश वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट की ओर से जरूरतमंद छात्राओं को 10 विद्यालय गणवेश वितरित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसीबीओ प्रेमरतन शर्मा ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में ट्रस्ट के प्रतिनिधि मालचंद दर्जी उपस्थित रहे। अतिथियों ने छात्राओं को गणवेश वितरित करते हुए कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस प्रकार के सहयोग से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है तथा उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। संस्था प्रधान भंवर सिंह ने ट्रस्ट की ओर से प्रतिवर्ष जरूरतमंद छात्राओं के लिए किए जाने वाले सहयोग की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा विद्यालय की छात्राओं के लिए किया जा रहा यह सहयोग शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकार का भी उदाहरण है। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम में मनोज कुमार, अमित कुमार, राधेश्याम, सुरेश जानूं, अंकित शर्मा, आनंद सोहु सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्तर की टेबल टेनिस खिलाड़ी मीणा का किया सम्मान

निसं

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुरेरा में टेबल टेनिस की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी विमला मीणा पुत्री पूरण मल मीणा, निवासी मंडा सुरेरा के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से खिलाड़ी विमला मीणा का माला एवं साफा पहनाकर सम्मान-सत्कार किया गया। अध्यापक बनवारी लाल कुमावत ने बताया कि विमला मीणा ने टेबल टेनिस में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक 8 बार राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पदक प्राप्त किए हैं।

हाल ही में नेपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय यूथ गेम चैंपियनशिप-2026 में गोल्ड मेडल जीतकर उन्होंने देश और क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस अवसर पर विमला मीणा ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, निरंतर मेहनत और अनुशासन के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं होता, इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सम्मान समारोह के बाद विमला मीणा ने विद्यालय परिसर में बने टेबल टेनिस कक्ष में विद्यार्थियों को टेबल टेनिस खेलने के विभिन्न गुर सिखाए तथा खेल की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को आश्वासन दिया कि खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए वह भविष्य में भी उनके मार्गदर्शन के लिए सदैव उपलब्ध रहेंगी। विद्यालय परिवार ने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली प्रतिभाशाली खिलाड़ी विमला मीणा की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह में विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यए अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाजपा आज निकालेगी तिरंगा यात्रा

निसं

तारानगर (नवयत्न)। भारत की आज़ादी के 80वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में भाजपा नगर मंडल की ओर से 9 अगस्त को दोपहर डेढ़ बजे तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। नगर मंडल अध्यक्ष अनूप खंडेलवाल ने बताया कि तिरंगा यात्रा दो मंदिर देगावास से रवाना होकर मुख्य बाजार, अंबेडकर सर्किल से नगर पालिका परिसर तक निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा में यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पराक्रम सिंह राठौड़ भी मौजूद रहेंगे। यात्रा से पूर्व दो मंदिर देगावास चौक में सभा का भी आयोजन होगा।

बिसाऊ में छह घंटे झड़ी से बिगड़े हालात, सड़कें बनी जलमग्न, घरों की छतों से टपका पानी

निसं

बिसाऊ (नवयत्न)। सावन के दौरान शनिवार सुबह बिसाऊ में करीब छह घंटे तक लगातार बारिश का दौर चला। लगातार हुई बारिश से कस्बे के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। कई घरों की छतों से पानी टपकने लगा, वहीं प्रमुख मार्गों और गलियों में पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। श्रीराम हवेली क्षेत्र, पश्चिमी दरवाजा, मलसीसर स्टैंड, जांगिड़ भवन और मीणों का मोहल्ला सहित कई इलाकों में सड़कें घंटों तक पानी में डूबी रहीं। अधिकांश स्थानों पर धीरे-धीरे पानी की निकासी हुई, लेकिन मीणों के मोहल्ले में स्थिति देर शाम तक बनी रही। स्थानीय लोगों के अनुसार सिगतियों के कुएं से जीण माता मंदिर के आगे तक लिंक रोड पर काफी मात्रा में पानी जमा हो गया। यहां बरसाती पानी की निकासी पहले नजदीकी महात्मा गांधी राजकीय स्कूल के खेल मैदान की ओर होती थी। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि कुछ दिन पहले खेल मैदान की ओर पानी की निकासी रोक दी गई। इसके बाद बारिश के पानी की निकासी का कोई वैकल्पिक इंतजाम नहीं होने से समस्या बढ़ गई। लिंक रोड पर पानी जमा रहने से सुबह स्कूली बच्चों को इसी पानी से होकर गुजरना पड़ा। इससे उनके जूते-मोजे और स्कूल ड्रेस खराब हो गए। पुलिस थाना, डिस्कॉम कार्यालय, तहसील कार्यालय, नगर पालिका कार्यालय और आसपास के निजी स्कूलों में जाने वाले लोगों को भी जलभराव के कारण परेशानी झेलनी पड़ी।

ईओ बोले- दोबारा शुरू होगी टेंडर प्रक्रिया

नगर पालिका ईओ सीताराम कुमावत ने बताया कि मीणों के मोहल्ले में गंदे पानी और बरसाती पानी की निकासी के लिए चैंबर निर्माण एवं पाइप लाइन डालने का टेंडर पहले जारी किया गया था। ठेकेदार को कई बार नोटिस देने के बावजूद काम शुरू नहीं किया गया। इसके चलते पालिका ने टेंडर निरस्त कर ठेकेदार की अमानत राशि जब्त कर ली है।

ईओ के अनुसार अब इस कार्य के लिए दोबारा टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही कस्बे के जिन क्षेत्रों में बारिश के दौरान जलभराव होता है, वहां बरसाती पानी की स्थायी निकासी के लिए योजना तैयार की जा रही है।

मलसीसर स्टैंड पर नाले की मांग

मलसीसर स्टैंड के कपड़ा व्यवसायी इंद्राज चौहान ने नगर पालिका से स्टैंड क्षेत्र में बरसाती पानी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए बड़े नाले का निर्माण जल्द शुरू कराने की मांग की है। उनका कहना है कि बारिश के दौरान यहां बार-बार पानी भर जाता है, जिससे दुकानदारों और आमजन को परेशानी होती है।

ब्लड डोनेशन कैंप में 500 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित

निसं

जयपुर (नवयत्न)। महर्षि अरविंद संस्थान की संस्थापिका भारती पाराशर के जन्मदिन के अवसर पर संस्थान परिसर में भव्य रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 500 से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। युवाओं और विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए रक्तदान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराने के साथ ही युवाओं को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करना रहा। संस्थान के निदेशक डॉ भारत पाराशर ने कहा कि रक्तदान मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। विद्यार्थियों और युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी संस्थान के लिए गर्व का विषय है। शिविर संयोजक डॉ मयंक शर्मा ने कहा कि युवा वर्ग रक्तदान के लिए आगे आए तो समाज में सकारात्मक संदेश जाएगा। नियमित रक्तदान के माध्यम से ही अस्पतालों और ब्लड बैंकों में होने वाली रक्त की कमी को दूर किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से स्वस्थ रहने पर नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। शिविर के दौरान रक्तदाताओं का उत्साह देखने को मिला। आयोजकों की ओर से रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया गया और शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों का आभार जताया गया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190